CNEWS सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-284
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, शनिवार 18 जनवरी 2025

आज का विचार

हमें हार नहीं माननी चाहिए और समस्या को हमें हराने की अनुमति नहीं देनी चाहिए।

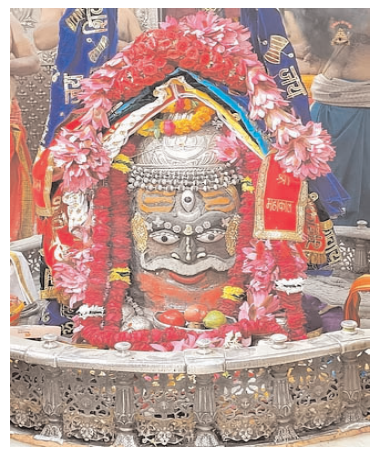

दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री से मिले सीएम डॉ. मोहन यादव

अमित शाह ने मध्यप्रदेश की ई-समन प्रणाली को सराहा

भोपाल। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को नई दिल्ली में तीन नए आराधिक कानूनों के क्रियान्वयन को लेकर समीक्षा बैठक की। बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शामिल हुए। बैठक में पुलिस, जेल, कोर्ट, अभियोजन और फॉरेन्सिक से संबंधित प्रावधानों की वर्तमान स्थिति और क्रियान्वयन को लेकर चर्चा की गई। केंद्रीय मंत्री ने प्रदेशों में तीन नए कानूनों के लागू करने के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बताया कि मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है, जिसने ई-समन प्रणाली लागू की है। इस पहल के लिए केंद्रीय मंत्री ने राज्य की सराहना की और अन्य राज्यों को इसे अपनाने की सलाह दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि प्रदेश में तीन नए आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए वृहद स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। आगामी दो वर्षों में पुलिस बल में फॉरेंसिक साइंस के विशेषज्ञों की भर्ती और ट्रेनिंग का काम चरणबद्ध रूप से पूरा किये जाने का लक्ष्य है।

नए प्रावधानों से जनता को समय पर मिल रहा न्याय मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि प्रदेश में नए कानूनी प्रावधानों के अंतर्गत आधुनिक संसाधनों के प्रयोग से इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य के आधार पर प्रकरणों का शीघ्र निराकरण किया जा रहा है। इसके द्वारा न्याय प्रक्रिया आसान हुई है, पुलिस का समय बच रहा है और चिकित्सकों की असुविधा कम हुई है। एक ओर जहां जेल से बंदियों को लाने-ले-जाने में पुलिस बल की असुविधा कम हो रही है, वहीं दूसरी ओर जनता को कम समय में न्याय मिल रहा है।

मुख्य सचिव 15 दिन में करेंगे समीक्षा मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केंद्रीय गृहमंत्री को बताया कि वे प्रतिमाह और मुख्य सचिव प्रत्येक 15 दिन में नए कानूनों के क्रियान्वयन की प्रगति की समीक्षा करेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दिल्ली प्रवास के दौरान केंद्रीय मंत्रियों और नेताओं से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा से उनके निवास पर सौजन्य भेंट की। इसके अलावा मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से उनके कार्यालय रेल भवन में और पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव से उनके निवास पर सौजन्य भेंट की।

शाह बोले- निरंतर मॉनिटरिंग होनी चाहिए बैठक में चर्चा के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लाए गए तीन नए आपराधिक कानूनों की आत्मा, किसी भी मामले में एफआईआर से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक तीन साल में न्याय दिलाने के प्रावधान में है। नए आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन को लेकर मध्यप्रदेश सरकार द्वारा अब तक किए गए कार्यों की सराहना करते हुए गृह मंत्री ने शीघ्र नए कानूनों को राज्य में शत प्रतिशत लागू करने पर बल दिया। अमित शाह ने कहा कि आतंकवाद और संगठित अपराध से जुड़ी धाराओं में केस दर्ज करने से पहले पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा मामले का मूल्यांकन किया जाना चाहिए। अमित शाह ने कहा कि निरंतर मॉनिटरिंग होनी चाहिए कि कितने जीरो एफआईआर नियमित एफआईआर में बदले गए। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसी व्यवस्था की जानी चाहिए कि सीसीटीएनएस के जरिये दो राज्यों के बीच एफआईआर ट्रांसफर किया जा सके। उन्होंने हर जिले में एक से अधिक फोरेंसिक साइंस मोबाइल वैन की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया।

फिजिक्स और केमिस्ट्री के विद्यार्थियों को दें मौका अमित शाह ने कहा कि पुलिस को पूछताछ के लिए हिरासत में रखे गए लोगों की जानकारी इलेक्ट्रॉनिक डैशबोर्ड पर प्रदान करनी चाहिए, साथ ही जब्ती सूची और अदालतों में भेजे जाने वाले मामलों की जानकारी भी डैशबोर्ड पर रखनी चाहिए। उन्होंने राज्य के पुलिस महानिदेशक को इन मामलों की निरंतर मॉनिटरिंग का भी निर्देश दिया।अमित शाह ने फॉरेंसिक विज्ञान के जानकार अधिकारियों की भर्ती पर जोर देते हुए कहा कि मध्यप्रदेश सरकार को इसके लिए नेशनल फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी से समझौता करना चाहिए। साथ ही, फिजिक्स और केमिस्ट्री बैकग्राउंड के विद्यार्थियों को अवसर प्रदान कर फोरेंसिक से संबंधित डिप्लोमा कोर्स कराकर भर्ती करना चाहिए।

कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया की 300 करोड़ की प्रॉपर्टी जब्त

बेंगलुरु। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और अन्य के खिलाफ चल रहे मामले में 142 अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से अटैच कर लिया है। इन संपत्तियों का बाजार मूल्य लगभग 300 करोड़ रुपए बताया गया है। ये संपत्तियां उन व्यक्तियों के नाम पर पंजीकृत हैं, जो रियल एस्टेट व्यवसायी और एजेंट के रूप में काम कर रहे हैं। ईडी ने यह कार्रवाई लोकायुक्त पुलिस, मैसूर द्वारा दर्ज भारतीय दंड संहिता, 1860 और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 के तहत दर्ज एफआईआर के आधार पर की है। इसमें मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और अन्य पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। आरोप है कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने अपने राजनीतिक प्रभाव का इस्तेमाल करते हुए मैसूर अर्बन डेवलपमेंट अथॉरिटी (मुडा) द्वारा अधिग्रहित 3 एकड़ 16 गुंटा जमीन के बदले अपनी पत्नी बीएम पार्वती के नाम पर 14 पॉश साइटों के रूप में मुआवजा लिया। मुडा द्वारा अधिग्रहण मूल्य करीब 3,24,700 रुपए और पॉश साइटों का मूल्य करीब 56 करोड़ रुपए हैं। इस प्रक्रिया में पूर्व मुडा आयुक्त डीबी नटेश की भूमिका को बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। जांच के दौरान ईडी ने पाया कि मुडा द्वारा केवल बीएम पार्वती को ही नहीं, बल्कि कई अन्य रियल एस्टेट व्यवसायियों को भी अवैध तरीके से मुआवजे के रूप में साइटें आवंटित की गईं। इन साइटों को बेचकर बड़े पैमाने पर ब्लैक मनी उत्पन्न की गई। इस धन को वैध दिखाने के लिए मनी लॉन्ड्रिंग का सहारा लिया गया। बेनामी व्यक्तियों के नाम पर साइटों का आवंटन हुआ।

'महाकुंभ' बना मैनेजमेंट गुरु...

प्रयागराज। प्रयागराज में हो रहे दुनिया के सबसे बड़े धर्म-अध्यात्म और संस्कृति के महाआयोजन महाकुंभ में साधु-संतों की ओर से जहां धार्मिक और आध्यात्मिक ज्ञान की गंगा बह रही है, वहीं यह महाकुंभ राज्य सरकारों और प्रबंधन संस्थानों के लिए आर्थिक और प्रबंधन के ज्ञान को आत्मसात करने का माध्यम भी बन गया है। इस विशाल आयोजन के कुशल प्रबंधन, पर्यटन, मीडिया की भूमिका और सामाजिक प्रभावों का गहराई से अध्ययन करने के लिए देश के चार प्रमुख भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) इंदौर, आईआईएम बेंगलुरु, आईआईएम अहमदाबाद और आईआईएम लखनऊ ने विशेष शोध परियोजनाएं शुरू कर दी हैं। इसके अलावा कुछ राज्यों के बड़े अधिकारी भी महाकुंभ में पहुंचे हैं, ताकि उनके राज्य में यदि ऐसा आयोजन हो तो उसका कुशल प्रबंधन किया जा सके।

मध्यप्रदेश से ये अफसर भी पहुंचे

मध्यप्रदेश की टीम को लीड करने की जिम्मेदारी एडीजी रैंक के सीनियर आईपीएस अफसर उमेश जोगा को दी गई है। टीम में शामिल डीआईजी उज्जैन नवनीत भसीन और डीआईजी पीएचक्यू तरुण नायक ने प्रयागराज महाकुंभ में इंटेलिजेंस की व्यवस्था देखी। आईपीएस अधिकारी हितेश चौधरी, एएसपी साइबर सेल, उज्जैन के एएसपी के साथ ही थाना प्रभारी, हेड कॉन्स्टेबल और पुलिस विभाग के आरआई को भी इस पूरे ट्रेनिंग प्रोग्राम में शामिल किया गया है।

देश के चार आईआईएम के शोधकर्ता और कई राज्यों के अफसर रिसर्च करने पहुंचे प्रयागराज

आईआईएम इंदौर कर रहा इस विषय पर शोध

प्रयागराज महाकुंभ में चार हजार हेक्टेयर में अस्थायी नगरी बसी है। 25 सेक्टरों में बंटे महाकुंभ मेले में 12 किलोमीटर के स्नान घाट हैं। 30 पांटून पुल, डेढ़ लाख शौचालय और 1.60 लाख टेंट लगाए गए हैं और 10 हजार संस्थाओं ने शिविर लगाए हैं। 45 दिनों के मेले के लिए इस सुनियोजित और विशाल व्यवस्था ने प्रबंधन का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है। इसी प्रबंधन पर शोध के लिए देश के चार आईआईएम के शोधकर्ताओं ने अपना अध्ययन शुरू कर दिया है। आईआईएम इंदौर महाकुंभ के दौरान पर्यटन उद्योग, मीडिया की भूमिका और सोशल मीडिया प्रबंधन से संबंधित सर्वोत्तम प्रथाओं पर शोध कर रहा है। इस अध्ययन में यह देखा जा रहा है कि किस तरह से डिजिटल मीडिया और प्रचार अभियान आयोजन को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आकर्षक बना सकते हैं। शोधकर्ता मानते हैं कि महाकुंभ एक धार्मिक आयोजन से कहीं अधिक है, यह एक वैश्विक पर्यटन ब्रांड बन सकता है।

आईआईएम बेंगलुरु और लखनऊ कर रहे यह काम

आईआईएम बेंगलुरु और आईआईएम लखनऊ दोनों संस्थान महाकुंभ के कुशल आयोजन के लिए रणनीतिक प्रबंधन और नियोजन पर अध्ययन कर रहे हैं। इन अध्ययनों का उद्देश्य यह समझना है कि कैसे इतने बड़े पैमाने पर होने वाले आयोजन को प्रभावी लाजिस्टिक्स, आपदा प्रबंधन, भीड़ नियंत्रण, और सरकारी एजेंसियों के समन्वय के साथ सुचारू रूप से संचालित किया जा सकता है। इस शोध के जरिये आयोजन की जटिलताओं को समझना और प्रभावी प्रबंधन के लिए नवाचारों की सिफारिश होगी।

यह है आईआईएम अहमदाबाद के शोध का विषय

आईआईएम अहमदाबाद का शोध महाकुंभ के सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक प्रभावों पर केंद्रित है। 'बियांड द होली डिप' शीर्षक वाले इस अध्ययन में यह जांचा जाएगा कि महाकुंभ स्थानीय अर्थव्यवस्था, रोजगार, शहरी ढांचे, और सांस्कृतिक गतिशीलता को कैसे प्रभावित करता है, जो यरस्थानीय समुदायों, व्यापारियों और नीति निमार्ताओं के लिए भी बड़े बदलाव का कारक बनेगा।

बाघ ने ग्रामीण को मार डाला, गुस्साए लोगों का वन अधिकारियों पर किया हमला

सिवनी। मध्यप्रदेश में बाघ ने एक आदमी को मार डाला। इस घटना से गुस्साए लोगों ने वन अधिकारियों पर हमला बोल दिया। लोगों ने अधिकारियों की गाड़ी भी तोड़ डाली। पुलिस ने लोगों के खिलाफ दंगा करने, सरकारी काम में बाधा डालने और सरकारी संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने का मामला दर्ज किया है। मध्यप्रदेश के सिवनी जिले के जंगल में एक 70 साल के आदमी को बाघ ने मार डाला। बाघ के हमले से गुस्साए ग्रामीणों ने दो वन अधिकारियों पर हमला कर दिया। अधिकारी ने बताया कि पीड़ित तुलसीराम भलावी गुरुवार शाम बावली टोला वन क्षेत्र से मवेशी चराकर लौट रहे थे। तभी बाघ ने उन पर हमला कर दिया और उन्हें मार डाला। घटना के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने रेंजर घनश्याम चतुर्वेदी और डिप्टी रेंजर संजय खूंटापल्ले पर हमला कर उन्हें घायल कर दिया। उन्होंने बताया कि उन्होंने उनके वाहनों में भी तोड़फोड़ की। अधिकारी ने कहा कि पुलिस ने ग्रामीणों के खिलाफ दंगा करने, सरकारी काम में बाधा डालने और सरकारी संपत्तियों और वाहनों को नुकसान पहुंचाने का मामला दर्ज किया है।

10 जंगली हाथियों की मौत मामले में बांधवगढ़ प्रबंधन को मिली क्लीन चिट

उमरिया। मध्यप्रदेश के उमरिया जिले के बांधवगढ़ में बीते दिनों हुई 10 जंगली हाथियों की मौत के बाद अब एनजीटी ने अपनी रिपोर्ट साझा की है। जिसमें यह माना गया है कि हाथियों की मौत फंगस लगी कोदो की फसल खाने से ही हुई है। इसके लिए एनजीटी ने 1933 में तमिनाडु हादसे का रेफरेंस लिया। एनजीटी ने यह भी स्पष्ट किया है कि 1933 में तमिलनाडु में 14 हाथियों की मौत हुई थी जिसका कारण भी मोटा अनाज था। हाथियों की मौत के मामले में इस तरह का खुलासा करके एनजीटी ने सबको चौंका दिया है। दरअसल, पूरा मामला विश्व प्रसिद्ध बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व का है जहां तीन महीने पहले छत्तीसगढ़ से होकर बांधवगढ़ आए जंगली हाथियों ने किसानों की कोदों की फसल को खाया था। जिसके कारण उनकी मौत हो गई थी। घटना के बाद तमाम वन्य प्राणी विशेषज्ञों ने इस पर रिसर्च किया और अपनी रिपोर्ट भारत सरकार के साथ एनजीटी को सौंपी। वन्य प्राणियों की रिसर्च

रिपोर्ट के बाद एनजीटी ने यह माना है कि कोदो की फसल में फंगस लगी थी। इसको हाथियों ने खाया और वह फूड पॉइजनिंग का शिकार होकर एक एक कर दम तोड़ दिया।

रूस के लिए लड़ने वाले 16 भारतीय लापता, 12 की हो गई मौत

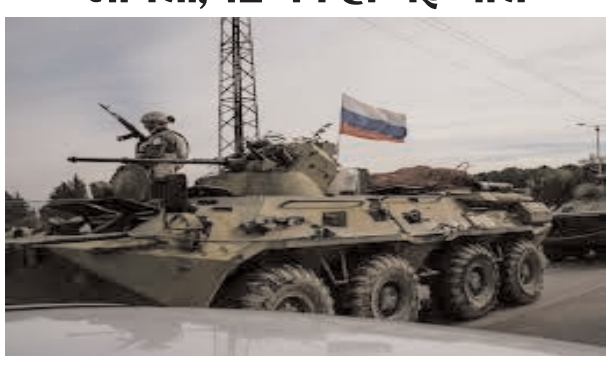

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने बताया कि यूक्रेन के खिलाफ रूस के लिए लड़ते हुए कम से कम 12 भारतीयों की मौत हो गई है। वहीं 16 भारतीय लापता हैं। रूस की सेना में जबरन भर्ती और फिर उनकी मौत की खबरों के बाद विदेश मंत्रालय ने सख्ती दिखाई है और रूस से कहा है कि सभी भारतीयों को तत्काल सेना से मुक्त कर दिया जाए। बीते दिनों केरल के रहने वाले एक शख्स की यूक्रेन के मोर्चे पर मौत हो गई थी। वहीं एक भारतीय बुरी तरह घायल हो गया था। बताया गया कि वह इलेक्ट्रीशन का काम करने के लिए रूस गया था लेकिन जबरन उसे सेना में भर्ती कर दिया गया और फिर यूक्रेन के मोर्चे पर लड़ने के लिए भेज दिया गया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जैसवाल ने शुक्रवार को बताया कि जानकारी के मुताबिक रूस की सेना में 126 भारतीय थे जिनमें से 96 लोग भारत लौट चुके हैं। उन्हें रूस की सेना से मुक्त किया जा चुका है। अभी 18 भारतीय सैनिक रूस की सेना में हैं और 16 के बारे में जानकारी नहीं मिल रही है। जैसवाल ने कहा कि जो 16 भारतीय लापता हैं उनका पता लगाने को भी कहा गया है। यूक्रेन के मोर्चे पर मारे गए केरल के बिनिल बाबू को लेकर विदेश मंत्रालय ने दुख व्यक्त किया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि रूस में भारत का दूतावास प्रशासन से साथ संपर्क में है ताकि उनके पार्थिव शरीर को लाया जा सके। वहीं घायल हुए जैन टीके का मॉस्को में इलाज करवाया जा रहा है।

तीन मट्रो स्टेशन तैयार, 6 किमी हिस्से में काम पूरा, जल्द ही कमर्शियल रन

इंदौर। इंदौर में छह किलोमीटर के हिस्से में मेट्रो का काम लगभग पूरा हो चुका है। इसके बीच आने वाले तीन मेट्रो स्टेशनों का काम भी पूरा हो चुका है। वहां टिकट खिड़की, लिफ्ट और एस्केलेटर भी लगाए जा चुके हैं। जल्दी ही गांधी नगर मेट्रो स्टेशन से टीसीएस चौराहे तक कमर्शियल रन शुरू होगा। डेढ़ साल पहले इस हिस्से में ही तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की मौजूदगी में ट्रायल रन किया गया था। अब छह किलोमीटर तक मेट्रो ट्रेन के कमर्शियल रन के लिए कमिश्नर ऑफ रेलवे सेफ्टी की टीम 21 जनवरी को इंदौर पहुंच जाएगी। टीम द्वारा सेफ्टी ऑडिट करने के बाद एक सप्ताह में एनओसी जारी की जाएगी। इसके बाद इंदौर में मेट्रो ट्रेन का कमर्शियल रन शुरू किया जा सकेगा। जिस हिस्से में मेट्रो ट्रेन का संचालन होगा। वहां न तो आबादी है और न ही पर्याप्त यात्री संख्या। इस कारण संचालन के बाद फायदा नहीं होगा। उधर प्रदेश के प्रमुख सचिव नगरीय प्रशासन संजय शुक्ला ने मेट्रो प्रोजेक्ट की समीक्षा की। उन्होंने अफसरों को निर्देश दिए हैं कि अब एमआर-9 चौराहा से आगे काम शुरू किया जाए।

17 किलोमीटर हिस्से में होना था ट्रायल रन इंदौर में मेट्रो का काम 31 किलोमीटर हिस्से में होना है। फिलहाल गांधी नगर से रेडिसन चौराहा तक का काम पूरा हो चुका है। इस साल 17 किलोमीटर लंबाई में ट्रायल रन होना था, लेकिन चंद्रगुप्त मोर्य प्रतिमा चौराहा से विजय नगर चौराहा तक मेट्रो स्टेशन ही तैयार नहीं हो पाए है। नाथ मंदिर से बड़ा गणपति तक मेट्रो का अंडरग्राउंड काम भी होना है, लेकिन उसे भी अभी तक शुरू नहीं किया जा सका है। कान्ह नदी

में 50 मीटर लंबाई में एक सुरंग भी बनेगी। इससे होकर मेट्रो ट्रेन सदर बाजार की तरफ जाएगी।

फरवरी तक चालू हो सकती है मेट्रो रेल इंदौर में मेट्रो रेल सेवा फरवरी तक शुरू होने की संभावना है। शुरुआत में गांधी नगर स्टेशन और सुपर कॉरिडोर के स्टेशन नंबर तीन के बीच 5.90 किलोमीटर के सर्वोच्च प्राथमिकता वाले कॉरिडोर पर मेट्रो रेल का संचालन किया जाएगा। इस रूट पर ट्रायल रन पिछले सितंबर में किया गया था। हालांकि, इस रूट पर बिखरी आबादी के कारण मेट्रो रेल को शुरुआत में यात्रियों की कमी का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि एक अधिकारी के मुताबिक एक बार जब मेट्रो रेल शुरू हो जाएगी और इसका रूट बढ़ जाएगा, तो यात्रियों की कमी नहीं होगी। शहर के स्टेशनों को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि उनसे छह कोच की ट्रेन चलाई जा सके। लेकिन शुरुआत में हम तीन कोच वाली ट्रेन चलाएंगे। अगर यात्रियों की संख्या बढ़ती है, तो तीन और कोच जोड़े जा सकते हैं।

ट्रेन के नौ सेट तैयार मेट्रो कोच का ट्रैक पर ट्रायल हो चुका है। उन्हें अब 40 से 50 किलोमीटर की स्पीड के साथ चलाकर ट्रायल लिया जा रहा है, ताकि ट्रैक में कोई समस्या हो तो उसे समय रहते ठीक किया जा सके। इंदौर में अब तक 30 से ज्यादा कोच आ चुके हैं। एक इंजन के साथ तीन कोच जुड़कर एक ट्रेन बनती है। इंदौर में कुल 75 से ज्यादा कोच आने हैं। अभी ट्रेन के नौ सेट तैयार हो चुके हैं। इनका ट्रायल चल रहा है। कमर्शियल रन तक कुछ और कोच आ सकते हैं।

एक डिब्बे में करीब 300 यात्री सफर कर सकते हैं अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि मेट्रो रेल के एक डिब्बे में करीब 300 यात्री सफर कर सकते हैं जिनमें सीट पर बैठने वाले 50 लोग शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इंदौर में 7,500.8 करोड़ रुपये की कुल लागत वाली मेट्रो रेल परियोजना के पहले चरण की नींव 14 सितंबर 2019 को रखी गई थी। इसके तहत शहर में गोल आकार वाला करीब 31.50 किलोमीटर लम्बा मेट्रो रेल गलियारा बनाया जाना है।

दुकानदारों ने बंद की ऑनलाइन पेमेंट की सुविधा

सिर्फ कैश में बेच रहे सामान

इंदौर। आज के समय में लोगों के सामने साइबर क्राइम एक बड़ी चुनौती बन गया है। पुलिस लोगों को साइबर क्राइम के प्रति जागरूक करने में लगी हुई है। लंबे समय से ये साइबर अपराधी अलग-अलग तरीकों से लोगों की मेहनत की कमाई पर हाथ साफ कर रहे हैं। जब एक तरीका सामने आ जाता है और पुलिस जनता को उसे लेकर जागरूक करने लगती है, तब तक साइबर ठग दूसरे तरीके ढूंढ निकालते हैं। इस समय डिजिटल अरेस्ट के नाम पर साइबर ठगी की जा रही है। जहां कुछ लोग साइबर अपराधियों से परेशान हैं, वहीं इंदौर के सबसे बड़े फोन मार्केट के व्यापारी अलग ही कारणों से परेशान हैं। दरअसल, इस मार्केट से कई साइबर अपराधी फोन खरीद कर ले जा रहे हैं। ऐसे में ये अपराधी साइबर क्राइम से जुड़े खातों के माध्यम से पेमेंट करते हैं। पुलिस जब केस की छानबीन करती है तब इन दुकानदारों के खाते सील कर देती है। ऐसे में दुकानदारों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है।

40 से ज्यादा व्यापारियों के बैंक अकाउंट फ्रीज साइबर अपराध से जुड़े खातों से ट्रांजेक्शन होने की वजह से अब तक 40 से ज्यादा व्यापारियों के बैंक अकाउंट फ्रीज किए जा चुके हैं। साइबर फ्रॉड के पैसों से ठग इस मार्केट से महंगे फोन खरीदते हैं। जैसे ही फ्रॉड के पैसे का ट्रांजैक्शन व्यापारियों के खाते में जाता है, पुलिस जानकारी मिलते ही अकाउंट को फ्रीज करवा देती है। इस कारण दुकानदारों को अकाउंट अनफ्रीज करवाने के लिए थानों के चक्कर काटने पड़ रहे हैं।

डॉलर व्यापारी एसोसिएशन ने दी चेतावनी डॉलर व्यापारी एसोसिएशन ने इस तरह की घटनों को देखते हुए चेतावनी दे दी है। उन्होंने कहा कि सारे फ्रीज अकाउंट को 24 घंटे में अन फ्रीज किया जाए वरना वो ऑनलाइन पेमेंट से व्यापार बंद कर देंगे। इसका कई व्यापारियों ने समर्थन किया है। वहीं पुलिस ने कहा कि मोबाइल बेचते समय आधार कार्ड की फोटो कॉपी व्यापारी जरूर लें। साथ ही सावधानी रखे कि जिस नाम से वो बिल बना रहे हैं, उसी के अकाउंट से पैसे आए हैं या नहीं?

लड़कियों की आवाज में मीठी-मीठी बातें...

150 लोग समझ बैठे अपना असली प्यार

इंदौर। सोशल मीडिया पर ठगी का नया मामला सामने आया है। ठग लड़की की आवाज में बात करके लोगों को फंसा रहे हैं। वे अश्लील चैटिंग और न्यूड वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करते हैं। छात्र, व्यापारी और कंपनी कर्मचारी सहित 150 से ज्यादा लोग इनके जाल में फंस चुके हैं। पिछले साल 13 लाख रुपए की ठगी हुई है। पुलिस ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। इंदौर में साइबर अपराधी डेटिंग ऐप्स और वॉइस चेंजर का इस्तेमाल कर लोगों को ठग रहे हैं। एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने बताया कि ठग लड़कियों की तस्वीरों से लोगों को लुभाते हैं। फिर वॉइस चेंजर ऐप से लड़की की आवाज में बात करते हैं। लोगों का विश्वास जीतने के बाद, वे उनकी निजी जानकारी हासिल कर लेते हैं। इसके बाद मेडिकल इमरजेंसी या अन्य बहाने से पैसे मांगते हैं। कई बार तो वे अश्लील चैटिंग के दौरान वीडियो भी बना लेते हैं और फिर ब्लैकमेल करते हैं।

टिंडर और बंबल जैसे ऐप्स का इस्तेमाल एडिशनल डीसीपी

दंडोतिया ने बताया कि ठग डेटिंग ऐप्स जैसे टिंडर, बंबल, हैपन, एडवेंचर सीकिंग, बद्दू, जूस्क, वन्स, हगल, द लीग, आक्यूपिड और लेस्ली का इस्तेमाल करते हैं। इन ऐप्स पर लड़कियों की सुंदर तस्वीरें देखकर लोग आसानी से आकर्षित हो जाते हैं। वे ये नहीं समझ पाते कि असल में उनसे कोई पुरुष लड़की की आवाज में बात कर रहा है। कई दिनों की चैटिंग के बाद, लोग ठग पर भरोसा करने लगते हैं।

अपनी निजी बातें करने लगते हैं शेयर इस दौरान वे अपनी निजी बातें, परिवार, दोस्तों और अपनी दिनचर्या के बारे में भी बता देते हैं। ठग भी उनकी देखभाल करने का नाटक करता है और खुद को अच्छा पार्टनर साबित करने की कोशिश करता है। इससे लोगों को लगता है कि उन्हें एक अच्छा साथी मिल गया है।

नाराज होने का करने लगता नाटक फिर अचानक ठग उन पर नाराज होने का नाटक करता है। वह किसी और महिला से चैटिंग करने का आरोप लगाता है और लोगों से उनके सोशल मीडिया अकाउंट का आईडी और पासवर्ड मांगता है। लोगों को लगता है कि महिला मित्र उनकी परवाह करती है, इसलिए वे बिना सोचे समझे अपनी सारी जानकारी दे देते हैं। शुरूआत में ठग मेडिकल इमरजेंसी का बहाना बनाकर पैसे मांगता है। फिर चैटिंग के दौरान लोगों को निर्वस्त्र कर उनका वीडियो बना लेता है। इसके बाद वह उनके अकाउंट पर ही ये तस्वीरें और वीडियो अपलोड करने की धमकी देकर पैसे ऐंठता है।

158 शिकायतें दर्ज हुई पिछले साल साइबर सेल में इस तरह की 158 शिकायतें दर्ज हुई हैं। इनमें छात्र, व्यापारी और दुकानदार शामिल हैं। सभी शिकायतों में कुल 13 लाख रुपए की ठगी हुई है। पुलिस अब तक 37 प्रतिशत रकम वापस दिला चुकी है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे सोशल मीडिया पर अनजान लोगों से बात करते समय सावधान रहें।

19 साल के छात्र ने बंद कमरे में लगाई फांसी, सुसाइड नोट नहीं मिला

इंदौर। इंदौर के आजाद नगर में एक 19 वर्षीय छात्र कृष यादव ने अपने घर के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। यह घटना गुरुवार शाम की है, जब उनके पिता संजय यादव अपने दोस्त के साथ घर लौटे। उन्होंने बेटे को आवाज दी, लेकिन दरवाजा नहीं खुला। इसके बाद खिड़की से झांककर देखा तो कृष फंदे पर लटका हुआ था। इस घटना से परिवार में कोहराम मच गया। कृष 12वीं कक्षा में पढ़ता था और उसके माता-पिता दोनों ही निजी स्कूलों में नौकरी करते हैं। गुरुवार को स्कूल की छुट्टी होने के बाद कृष की मां और बहन एक रिश्तेदार के यहां पूजा में शामिल होने गई थीं। शाम को जब संजय यादव घर लौटे तो उन्हें यह भयावह नजारा देखने को मिला। उन्होंने तुरंत अपनी पत्नी को फोन कर बेटे की मौत की जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, कृष सुबह तक बिल्कुल सामान्य था और उसने अपने परिवार के सदस्यों से दोपहर में भी अच्छी तरह बातचीत की थी। वह अक्सर मोबाइल का ज्यादा उपयोग नहीं करता था। फिलहाल, पुलिस को घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि कृष ने यह कदम क्यों उठाया। घटनास्थल को सील कर दिया गया है और शुक्रवार को पोस्टमॉर्टम कराया गया। इस घटना ने सभी को हैरान कर दिया है। पुलिस अब परिवार और दोस्तों से पूछताछ कर यह समझने की कोशिश कर रही है कि आखिर कृष ने आत्महत्या क्यों की। मामले की जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट कारण सामने आ सकेगा।

एमडी ड्रग और चरस के साथ पांच आरोपी गिरफ्तार

इंदौर। इंदौर क्राइम ब्रांच ने एमडी ड्रग के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें से एक आरोपी राजस्थान के प्रतापगढ़ का रहने वाला है, जबकि दूसरा इंदौर के सदर बाजार इलाके का निवासी है। प्रतापगढ़ का आरोपी इंदौर में ड्रग की डिलीवरी देने के लिए आया था, लेकिन क्राइम ब्रांच टीम ने उसे पहचान कर पकड़ लिया। फिलहाल, दोनों आरोपियों से पूछताछ जारी है। पुलिस ने आरोपियों के पास से लगभग 64 ग्राम एमडी ड्रग बरामद की है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में विशाल पुत्र दशरथ राव, निवासी प्रतापगढ़, राजस्थान, और राजिक उर्फ सद्दाम पुत्र मोहम्मद सईद, निवासी जूना रिसाला, इंदौर शामिल हैं। क्राइम ब्रांच को सूचना मिली थी कि विशाल राव इंदौर में ड्रग की डिलीवरी करने आया है। इसके बाद टीम ने घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके पास बड़ी मात्रा में एमडी ड्रग बरामद हुई। पूछताछ में विशाल ने खुलासा किया कि वह यह ड्रग राजिक को देने वाला था। पुलिस ने आरोपियों के पास से राजस्थान और इंदौर पासिंग की दो मोटरसाइकिलें भी जब्त की हैं। इसके अलावा, खजराना पुलिस ने 164 ग्राम से ज्यादा चरस के साथ एक अन्य आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सोहेल पुत्र समीर खान, निवासी बाबा की बाग को पकड़ा। उसकी निशानदेही पर आदिल उर्फ मामा पुत्र मोहम्मद आरिफ, निवासी श्रीनगर एक्सटेंशन, और शरीफ शेख उर्फ बच्चा पुत्र शकूर शेख, निवासी देवास को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के मुताबिक, सोहेल आईपीपीएस स्कूल के पास सर्विस रोड पर सिगरेट पी रहा था। पुलिस को देखकर वह भागने की कोशिश कर रहा था, लेकिन पुलिस ने उसे पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उसके कपड़ों के अंदर से चरस बरामद हुई। उसने बताया कि वह यह चरस आदिल और उसके साथी को देने आया था।

शहर को भिक्षुक मुक्त कराने में लगी टीम पर हो रहे जानलेवा हमले

इंदौर। इंदौर को भिक्षुक मुक्त बनाने का काम जितना आसान दिखता है, उतना है नहीं। क्योंकि यहां भिक्षुक जान लेवा हमला भी कर देते हैं। रेस्क्यू टीम के राहुल बोरदिया बताते हैं कि इंदौर को 2 साल से भिक्षुक मुक्त बनाने की मुहिम में कई चुनौतियों आ रही हैं, क्योंकि भिक्षुकों के पास रेजर और चाकू जैसी वस्तुएं होती हैं, जिससे ये लोग हमला करते हैं। इसलिए आपको यह जानने की जरूरत है कि आप, जिन्हें दान दे रहे हैं, कहीं वो अपराधी तो नहीं। रेस्क्यू टीम के राहुल बोरदिया बताते हैं कि इंदौर को भिक्षुक मुक्त बनाने की दिशा में लंबे समय से कार्य कर रही हैं। पहले चंद लोगों के साथ शुरुआत की, बाद में टीम बढ़ती गई।

हमला करने में एक मिनट भी नहीं लगात राहुल बताते हैं कि इंदौर में कई हजार भिक्षुक थे। इनमें महिला, पुरुष, बच्चे, वृद्ध, दिव्यांग, मानसिक रोगी व नशेड़ी शामिल हैं। रेस्क्यू के दौरान इन पर नियंत्रण बहुत मुश्किल होता है। महिला हो या पुरुष इनके पास छोटे छोटे हथियार होते हैं जैसे रेजर, चाकू या फिर कुछ ओर नुकीली चीजें, जिससे ये लोग हमला करने में एक मिनट भी नहीं लगाते। इनको समझाना और भीख मांगना छुड़वाना कठिन है। ऐसा नहीं कि यह सच में भिखारी है बल्कि ये तो आदतन

भिक्षा मांगने आए या फिर यह नशे के आदि है, इसलिए कमाने की जगह मांग कर गुजारा कर रहे हैं।

रेस्क्यू टीम के लोग हो चुके घायल राहुल बताते हैं कि रेस्क्यू के दौरान भिक्षुकों के हमले से टीम के लोग घायल हो चुके हैं, फिर भी पूर्ण निष्ठा के साथ इस कार्य को करने के लिए तत्पर हैं। हमारी टीम इंदौर को भिक्षुक बनाने के लिए जान भी जोखिम में डाल रही हैं। जिस लाठी के दम खुद को अपाहिज बताकर वे भिक्षा मांगते हैं, उसी से हम पर हमला करते हैं। इसके अलावा नशे से ग्रसित लोग तो ऐसे होते हैं कि जो हाथ में आए उस चीज से हमला कर देते हैं।

लगातार काउंसलिंग से होती है सुधारने की कोशिश राहुल बताते हैं कि टीम की कोशिश होती है कि इन्हें किसी तरह कन्ट्रोल करे। हालांकि कुछ भाग भी जाते हैं तो कुछ गिरफ्त में आते हैं। इन्हें लगातार काउंसलिंग के साथ सुधारने की कोशिश होती है। कुछ महीने पहले एक ग्रेजुएट गिरफ्त में आया था जो पूरी तरह से नशे में था। वह भीख मांग कर खाना नहीं खाता था केवल नशा करता था, जिसे हमने बड़ी मुश्किल से काबू में किया और फिर कुछ हफ्तों तक काउंसलिंग की उसके बाद उसे एक अच्छी नौकरी दिलाने में मदद की। उसने हर तरह का नशा किया. फिर चाहे वह छिपकली मारकर खाने का हो। लेकिन अब वह एक आम इंसान की तरह जिंदगी जी रहा है।

चलती गाड़ी में साइलेंट अटैक से ऑटो ड्राइवर की मौत

इंदौर। इंदौर के एबी रोड पर शुक्रवार सुबह एक दर्दनाक घटना हुई, जब एक ऑटो ड्राइवर को चलती गाड़ी में साइलेंट अटैक आ गया। 41 वर्षीय ऑटो चालक गणेश सोलंकी, जो न्यू दुर्गानगर बाणगंगा के निवासी थे, अपनी ऑटो रिक्शा लेकर जा रहे थे। अचानक उन्हें हार्ट अटैक आया, लेकिन उन्होंने ऑटो को नियंत्रित करते हुए सड़क किनारे रोकने की कोशिश की। इसके बाद वे ऑटो की ड्राइवर सीट से नीचे गिर गए। आसपास के लोगों ने तुरंत स्थिति को समझते हुए एम्बुलेंस को बुलाया और गणेश को एमवाय अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। राजेंद्र नगर पुलिस के मुताबिक, यह घटना सुबह करीब 9:30 बजे आईपीएस कॉलेज के पास हुई। गणेश सुबह 7 बजे अपने घर से ऑटो लेकर निकले थे और आमतौर पर दोपहर तक घर लौटते थे। घटना की सूचना परिवार को एम्बुलेंस स्टाफ ने गणेश के मोबाइल के जरिए दी। गणेश के साले सुमित ने बताया कि यह खबर सुनकर परिवार सदमे में है। उनके परिवार में उनकी पत्नी और दो बेटियां हैं, जो इस घटना के बाद शोक में डूबी हुई हैं। प्रत्यक्षदर्शियों ने पुलिस को बताया कि गणेश ऑटो को नियंत्रित करने के दौरान अचानक सीट से गिर गए थे। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी। यह घटना पूरे इलाके में चर्चा का विषय बन गई । साइलेंट अटैक की वजह से गणेश की असामयिक मृत्यु ने उनके परिवार को गहरा आघात पहुंचाया है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद ही स्थिति और स्पष्ट हो सकेगी।

सौरभ शर्मा का 3 दिन पहले ही बंद हो गया था फोन,क्या जांच एजेंसियों में हैं उसके 'जासूस'?

भोपाल। पूर्व आरटीओ कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा के ठिकानों पर छापेमारी के करीब एक महीने होने वाले हैं। वहीं, सौरभ शर्मा का अभी तक पता नहीं चल पाया है कि वह कहा है। इस मामले में ईडी, आयकर विभाग और लोकायुक्त जांच कर रही है। इसके बावजूद सौरभ शर्मा को लेकर कोई जानकारी नहीं आ पाई है। कथित तौर पर सौरभ को लेकर जांच एजेंसियां हवा में ही तीर मार रही है। इस बीच एक चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। वहीं, सौरभ शर्मा के ठिकानों पर लोकायुक्त ने 19 दिसंबर को छापे डाले थे। इससे तीन दिन पहले 16 दिसंबर को ही सौरभ शर्मा का फोन बंद हो गया था। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि क्या उसे छापे की खबर पहले मिल गई थी, जिसके बाद फोन को बंदकर कर वह गायब हो गया। इसके साथ ही आयकर विभाग ने सौरभ शर्मा के दोस्त चेतन गौर, उसके मौसेरे जीजा और मां से पूछताछ की है। सौरभ और उसकी पत्नी पूछताछ के लिए एजेंसियों के सामने नहीं आए हैं। वहीं, परिजन सौरभ को लेकर कोई खास जानकारी नहीं दे पा रहे हैं। इसके साथ ही उससे जुड़े अन्य लोगों को भी नोटिस जारी किए हैं। एजेंसियों की जांच में सौरभ के पास करोड़ों रुपए की संपत्ति का खुलासा हुआ है। साथ ही जानकारी मिली है कि विदेश में भी उसके निवेश हैं। कार्रवाई के बाद सौरभ ने जमानत के लिए याचिका लगाई थी। कोर्ट ने सौरभ शर्मा की जमानत याचिका खारिज कर दी है। गौरतलब है कि सौरभ शर्मा को लेकर एमपी की राजनीति में अभी उबाल कायम है। आरोप प्रत्यारोप का दौर लगातार जारी है। विपक्ष लगातार सत्ता पक्ष से जुड़े लोगों पर आरोप लगा रही है। वहीं, एजेंसियां उसकी गिरफ्तारी के लिए प्रयास कर रही है।

सरकार को पत्र लिखकर अपनी और परिवार की सुरक्षा मांगी आरटीओ के पूर्व कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा ने सरकार को पत्र लिखकर अपनी और परिवार की सुरक्षा मांगी है। उसने पत्र में लिखा है कि उसे, पत्नी, मां और बच्चों को जान की सुरक्षा की गारंटी मिले तो जांच एजेंसियों के सामने आकर बड़ा खुलासा करूंगा। सौरभ शर्मा के वकील सूर्यकांत बुझाड़े ने बताया कि ह्यबरामद सोना और अकूत संपत्ति अकेले सौरभ की नहीं है। यह पुराना सिंडीकेट है, सौरभ इसका केवल एक छोटा सा अंग है। बरामद रकम और सोना सब कुछ ब्यूरोक्रेट्स और राजनेताओं का है।

यह कहना है सौरभ के वकील का सौरभ के वकील सूर्यकांत बुझाड़े के मुताबिक जांच एजेंसियों के लिए सौरभ इजी टारगेट था, इसलिए सब उन पर डाल दिया गया है। सरकार अगर जान की सुरक्षा की गारंटी दे तो सौरभ सामने आने को तैयार है। सौरभ की जान को किससे खतरा? इस सवाल सवाल पर वकील का कहना है कि लोकायुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस करें कि उससे सौरभ को जान का खतरा नहीं, बल्कि वो सुरक्षा मुहैया करवाएगी। जांच एजेंसियों ने माइंड सेटअप ही बना लिया कि आरोपी सौरभ है। जबकि इसमें राजनीतिक और ब्यूरोक्रेट्स जुड़े हैं। पकड़ा गया सोना, कैश, अकूत संपत्ति सब उन्हीं का है। यह पुराना सिंडीकेट है। यह 7 साल के कॉन्स्टेबल का अपराध नहीं है। एक बार सौरभ को सुरक्षा की गारंटी के साथ सामने आने दिया गया तो बड़ा खुलासा करने को तैयार हैं।

सौरभ शर्मा के करीबियों के ठिकानों पर दबिश बहुचर्चित परिवहन घोटाले से जुड़े मामले में प्रवर्तन निदेशालय की अलग-अलग टीमों ने शुक्रवार सुबह भोपाल और ग्वालियर में 8 जगह छापे मारे। जांच एजेंसी ने यह कार्रवाई पूर्व सीनियर सब रजिस्ट्रार केके अरोरा और भोपाल स्थित नवोदय हॉस्पिटल के संचालक डॉ. श्याम अग्रवाल के ठिकानों पर की है। बताया जा रहा है कि भोपाल में इंद्रपुरी स्थित नवोदय हॉस्पिटल के संचालक डॉ. श्याम अग्रवाल के ठिकानों समेत 4 जगहों पर ईडी की टीम छानबीन कर रही है। जबकि ग्वालियर में मुरार स्थित सीपी कॉलोनी समेत सब रजिस्ट्रार केके अरोरा 4 जगहों पर छापे मारे गए हैं। अरोरा आरटीओ के पूर्व कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा से करीबी बताए जा रहे हैं। ईडी की टीम सुबह करीब 5 बजे अरोरा के सभी ठिकानों पर पहुंची। फिलहाल, अधिकारी दस्तावेजों की जांच कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि अरोरा, विनय हासवानी के बिजनेस पार्टनर हैं। भोपाल के मेंडोरी स्थित विनय हासवानी के फार्म हाउस से ही 54 किलो गोल्ड और 11 करोड़ कैश से लदी कार मिली थी। वह आरटीओ के पूर्व कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा के मौसा व पूर्व डीएसपी मुनीश राजोरिया का दामाद हैं। भोपाल में डॉ. श्याम अग्रवाल के इंद्रपुरी बी सेक्टर स्थित घर पर ईडी पहुंची। इंद्रपुरी में ही नवोदय कैंसर हॉस्पिटल और एमपी नगर स्थित उनके दूसरे अस्पताल में टीम जांच कर रही है। ईडी को जांच के दौरान भारी मात्रा में निवेश से जुड़े दस्तावेज और कैश मिलने का अनुमान है। हालांकि, इसकी पुष्टि नहीं की गई है। पड़ोसियों के मुताबिक, केके अरोरा और उनकी पत्नी 25 दिन पहले ही घर से चले गए थे। वे बेंगलुरू में हैं। उनके घर में दो किरायेदार रहते हैं, जिनसे पूछताछ की जा रही है। ईडी की टीम ने छापेमारी के वक्त किरायेदारों को घर के अंदर लॉक कर दिया था। उनके बच्चों को भी स्कूल नहीं जाने दिया गया।

संविधान के नाम पर रण... कांग्रेस की रैली का तोड़ भाजपा ने निकाला

भोपाल। अब संविधान की लड़ाई मध्य प्रदेश से लड़ी जाएगी। संविधान की 75वीं वर्षगांठ पर मध्य प्रदेश में भाजपा और कांग्रेस के बीच राजनीतिक घमासान मच गया है। 27 जनवरी को कांग्रेस नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे महू में एक बड़ी रैली करेंगे। इससे पहले भाजपा के 7 बड़े नेता मध्य प्रदेश के 7 संभागों में संविधान गौरव दिवस के कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे।अमित शाह भोपाल में, जेपी नड्डा जबलपुर में, नितिन गडकरी इंदौर में और विनोद तावड़े रीवा में सभा करेंगे। मुख्यमंत्री मोहन यादव ग्वालियर में रहेंगे। दो अन्य केंद्रीय नेता सागर और उज्जैन संभाग में सभाएं करेंगे। यह सब बाबा साहेब आंबेडकर की जन्मस्थली महू में होने वाली कांग्रेस की रैली का मुकाबला करने के लिए हो रहा है, जिसे केंद्र सरकार ने पंचतीर्थ में शामिल किया है।भाजपा और कांग्रेस दोनों ही संविधान की रक्षा के नाम पर जनता के बीच अपनी पैठ बनाने की कोशिश कर रहे हैं। कांग्रेस का कहना है कि भाजपा संविधान को कमजोर कर रही है। वहीं भाजपा का दावा है कि वो ही संविधान की असली रक्षक है। इसी खींचतान के बीच मध्य प्रदेश चुनावी रणभूमि बन गया है। दोनों पार्टियों के दिग्गज नेता राज्य में डेरा डालेंगे और जनसभाओं को संबोधित करेंगे। 27 जनवरी को महू में होने वाली कांग्रेस की रैली में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे शामिल होंगे। ये रैली बाबा साहेब आंबेडकर की जन्मस्थली महू में इसलिए आयोजित की जा रही है क्योंकि केंद्र ने इसे पंचतीर्थ में शामिल किया है। कांग्रेस इस रैली के जरिए दलित वोट बैंक को साधने की कोशिश करेगी।महू को आंबेडकर की जन्मस्थली होने के कारण विशेष महत्व दिया जा रहा है। केंद्र सरकार ने इसे बाबा साहेब से जुड़े पंचतीर्थों में शामिल किया है। यह जगह दलित समुदाय के लिए पवित्र स्थल मानी जाती है। इसलिए दोनों ही दल इस मौके का फायदा उठाकर दलित वोटरों को लुभाने की कोशिश कर रहे हैं।

भोपाल से लेकर इंदौर तक सांस लेना मुश्किल

भोपाल। मध्यप्रदेश में खराब हवा का दौर जारी है। बीते दिनों बारिश के चलते कई इलाकों के एयर क्वालिटी इंडेक्स में भारी सुधार आया था और वायु गुणवत्ता बेहतर स्थिति में थी, लेकिन अब भयंकर ठंड के सितम के बीच एक्यूआई शुक्रवार को खराब स्थिति में दर्ज हुआ। प्रदेश में शुक्रवार को एक्यूआई 158 दर्ज किया गया। शुक्रवार सुबह भोपाल का एक्यूआई178 दर्ज किया गया। इंदौर में बारिश के बाद हवा सुधरी थी पर अब एक्यूआई180 के स्तर पर है। एमपी में आए दिन हवा का स्तर बीते दिन का रिकॉर्ड तोड़ता नजर आ रहा है। मध्यप्रदेश के बड़े शहरों की हवा की बात करें तो साल के दूसरे हफ्ते में ताजा आकड़ों के मुताबिक शुक्रवार को सुबह राजधानी भोपाल में वायु गुणवत्ता 178 एक्यूआई के साथ खराब लेवल पर दर्ज हुआ। उज्जैन में वायु गुणवत्ता 159 दर्ज हुई। वहीं, संस्कारधानी जबलपुर में भी हवा खराब बिगड़ी है और शहर की वायु गुणवत्ता 165 दर्ज हुई। ग्वालियर में एक्यूआई142 दर्ज हुआ है।

पार्वती नदी का पुल धंसा, भारी वाहनों की आवाजाही रोकी

भोपाल। भोपाल में बैरसिया-नरसिंहपुर मार्ग पर स्थित पार्वती नदी का पुल गुरुवार रात क्षतिग्रस्त हो गया। प्रशासन ने पुल पर भारी वाहनों की आवाजाही पर बंद कर दी। पुल 1976 में बना था। बैरसिया एसडीएम ने रात नौ बजे पुल में आई दरारों का निरीक्षण किया। इसके बाद एसडीएम ने मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम (एमपीआरडीसी) को पत्र लिखकर पुल के बारे में जानकारी दी और बताया कि पुल के पिलर के नीचे एक बड़ा गड्ढा हो गया है, जिससे जान-माल के नुकसान की आशंका बन रही है। इस कारण बैरसिया-नरसिंहपुर मार्ग पर भारी वाहनों की आवाजाही तुरंत रोक दी गई है। नरसिंहगढ़ के एसडीओपी भूपेंद्र सिंह भाटी ने बताया कि मंगलगढ़ और बरायठा के बीच में पार्वती नदी पर बना पुल क्षतिग्रस्त हो गया है। नरसिंहगढ़ से नजीराबाद जाने के लिए इस मार्ग का इस्तेमाल न करें। नरसिंहगढ़ से देवगढ़, कुरावर होते हुए भोपाल की तरफ की यात्रा करें। इसी प्रकार वापसी के समय भोपाल से कुरावर और देवगढ़ होते हुए नरसिंहगढ़ की यात्रा करेंगे। यदि आप गूगल मैप्स का उपयोग करते हैं तो भोपाल से कुरावर, कुरावर से देवगढ़ और देवगढ़ से नरसिंहपुर के लिए नेविगेशन सेट करेंगे।इसी प्रकार नजीराबाद से नरसिंहगढ़ आने वालों को भी उस तरफ से रोका गया है। पुल की दो साल पहले की मरम्मत की गई थी। इसके पिलर में क्रैंक आने से यह धंस गया। इस दौरान दोनों ओर से करीब 50 किमी का फेरा ज्यादा लगेगा। पार्वती नदी पर बना ये पुल राजगढ़ और भोपाल जिले की सीमा पर है। यह नरसिंहगढ़ को नजीराबाद, बैरसिया, विदिशा और भोपाल से जोड़ता है। इसकी दो साल पहले ही मरम्मत की थी। पुल के एक तरफ बैरसिया और दूसरी तरफ नरसिंहगढ़ तहसील है।

हो सकता था बड़ा हादसा गुरुवार देर रात अचानक भोपाल के बैरसिया-नरसिंहगढ़ रोड पर स्थित पार्वती नदी का पुल क्रैक होकर धंस गया। पुल क्षतिग्रस्त होने पर जांच को लेकर 4 सदस्यी कमेटी बनाई गई है। यह कमेटी क्षतिग्रस्त पुल की जांच कर रिपोर्ट सौंपेगी। फिलहाल भारी वाहनों के लिए वैकल्पिक मार्ग की तलाश की जा रही है। पुल के दोनों तरफ बेरिकेडिंग की गई है ताकि भारी वाहन न आए। गनीमत रही कि समय रहते ही इसे देख लिया गया. वरना रात के वक्त बड़ा हादसा हो जाता।

एसडीएम ने लिखा एमपीआरडीसी को पत्र पुल धंसने की सूचना मिलते ही मौके पर एसडीएम आशुतोष शर्मा पहुंचे। उन्होंने जांच को लेकर एमपीआरडीसी (मप्र सड़क विकास निगम, भोपाल के संभागीय प्रबंधक) को लेटर भी लिखा है। एसडीएम शर्मा ने लेटर में लिखा कि पार्वती पुल क्षतिग्रस्त हो गया है। पुल से आवाजाही के कारण जान-माल के नुकसान की आशंका है। प्रारंभिक रूप से इस ब्रिज के पिलर के नीचे बड़ा गड्?ढा हो गया है। इसलिए जरूरी है कि नरसिंहगढ़-बैरसिया आने-जाने वाले वाहनों की आवाजाही पूर्ण रूप से बंद कर दिया जाए।

नरसिंहगढ़ से कुरावर होकर भोपाल जा सकेंगे नरसिंहगढ़ के एसडीओपी भूपेंद्र सिंह भाटी ने बताया कि मंगलगढ़ और बरायठा के बीच में पार्वती नदी पर बना पुल क्षतिग्रस्त हो गया है। नरसिंहगढ़ से नजीराबाद जाने के लिए इस मार्ग का इस्तेमाल न करें। नरसिंहगढ़ से देवगढ़, कुरावर होते हुए भोपाल की तरफ की यात्रा करें। इसी प्रकार नजीराबाद से नरसिंहगढ़ आने वालों को भी उस तरफ से रोका गया है। पुल की दो साल पहले की मरम्मत की गई थी। इसके पिलर में क्रैंक आने से यह धंस गया। इस दौरान दोनों ओर से करीब 50 किमी का फेरा ज्यादा लगेगा। पार्वती नदी पर बना ये पुल राजगढ़ और भोपाल जिले की सीमा पर है। यह नरसिंहगढ़ को नजीराबाद, बैरसिया, विदिशा और भोपाल से जोड़ता है। इसकी दो साल पहले ही मरम्मत की थी। पुल के एक तरफ बैरसिया और दूसरी तरफ नरसिंहगढ़ तहसील है।

चोरी का लोडिंग वाहन पाथाखेड़ा में पेड़ से टकराया,भोपाल के युवक की मौत

भोपाल। भोपाल के युवक की बैतूल के पाथाखेड़ा में पेड़ से लोडिंग वाहन टकराने के बाद मौत हो गई। आरोप है कि वह वाहन को चोरी कर भाग रहा था। तभी यह हादसा हुआ। बैतूल पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। हादसा शुक्रवार तड़के सुबह 3.30 बजे का है। पीएम के बाद शव मृतक के परिजन को सौंप दिया गया है। बुधवारा निवासी रेहान उर्फ बिट्टू (28) ड्राइवरी करता था। चोरी किया गया छोटा हाथी वाहन सारणी-परासिया स्टेट हाईवे पर एक पेड़ से टकरा गया। इससे मौके पर ही युवक की मौत हो गई। सारणी थाना प्रभारी देवकरण डेहरिया के मुताबिक, चोरी किया गया वाहन बजरंग मंदिर पाथाखेड़ा निवासी संतोष कुमार का था, जिसमें माल भरा हुआ था। वाहन मालिक ने बताया कि उन्होंने रात में वाहन को लोड कर खड़ा किया था, जिसे कोई चुराकर ले गया था। एसपी निश्चल एन झारिया ने बताया कि, मृतक के पास से एक टूटा हुआ मोबाइल फोन मिला, जिसमें दो सिम कार्ड थे। इन सिम कार्ड को दूसरे मोबाइल में लगाकर संपर्कों के जरिए मृतक की पहचान की गई।

वन्यजीव प्रबंधन में सुधार लाने के लिए फॉरेस्ट अफसर कर रहे मंथन

भोपाल। प्रदेश के वानिकी पर मंथन के बाद वन विभाग अब वन्यजीव प्रबंधन क्षेत्रों में सुधार लाने और वन प्रबंधन को जनोन्मुखी बनाने पर मंथन कर रहा है। इसके लिए फील्ड के अधिकारियों से सुझाव लिए जा रहे हैं और इन सुझावों के आधार पर भविष्य में नए प्रोटोकॉल तैयार किए जाएंगे। इन प्रोटोकॉल का उद्देश्य वन्यजीवों के लिए बेहतर रहवास सुनिश्चित करना और उन्हें किसी भी तरह के खतरे से बचाते हुए लोगों की जीवन-चर्या से जोड़ना है। वन और वन्यजीव प्रबंधन के क्षेत्रों में सुधार के लिए वन अधिकारियों की टीम आज से दो दिवसीय मंथन कार्यक्रम आयोजित कर रही है। इस कार्यक्रम में वन प्रबंधन को जनोन्मुखी बनाने के लिए नए प्रोटोकॉल पर चर्चा हो रही है। शुक्रवार और शनिवार को चलने वाले इस मंथन कार्यक्रम का आयोजन अपेक्स बैंक सभागार में किया जा रहा है। इसमें सभी मुख्य वन संरक्षक (सीसीएफ), मंडल वन अधिकारी (डीएफओ), और टाइगर रिजर्व के संचालकों को बुलाया गया है। यह उल्लेखनीय है कि पिछले सप्ताह वानिकी सम्मेलन और आईएफएस सर्विस मीट के दौरान प्रदेश के सभी जूनियर और सीनियर अधिकारियों ने वानिकी व्यवस्था में सुधार के लिए मंथन किया था।

झेलम और मालवा एक्सप्रेस जैसी 8 ट्रेनें निरस्त

भोपाल। अगर आप वैष्णो देवी कटरा या कश्मीर में जाने का सोच रहे हैं तो यह खबर आपके लिए है, क्योंकि उत्तर रेलवे के जम्मूतवी स्टेशन पर री-डेवलपमेंट एवं यार्ड कनेक्शन का कार्य के चलते भोपाल मंडल से गुजरने वाली 8 ट्रेनों को निरस्त करने का फैसला रेलवे ने लिया है। इसमें झेलम और मालवा एक्सप्रेस जैसी ट्रेनें शामिल हैं।

-12751 नांदेड-जम्मू तवी एक्सप्रेस निरस्त तिथियां- 21 फरवरी और 28 मार्च। कुल 2 ट्रिप के लिए सेवा बाधित।

-12752 जम्मू तवी-नांदेड एक्सप्रेस निरस्त तिथियां- 23 फरवरी और 02 मार्च। कुल 2 ट्रिप के लिए सेवा बाधित।

-11077 पुणे जं.-जम्मू तवी एक्सप्रेस निरस्त तिथियां- 17 फरवरी से 04 मार्च। कुल 16 ट्रिप के लिए सेवा बाधित।

-11078 जम्मू तवी-पुणे जं. एक्सप्रेस निरस्त तिथियां- 19 फरवरी से 06 मार्च। कुल 16 ट्रिप के लिए सेवा बाधित।

-12919 डॉ. अम्बेडकर नगर-श्री माता वैष्णो देवी कटरा एक्सप्रेस 01 से 05 मार्च तक कुल 5 ट्रिप के लिए निरस्त रहेगी।

-12920 श्री माता वैष्णो देवी कटरा-डॉ. अम्बेडकर नगर एक्सप्रेस 03 मार्च से 07 मार्च तक कुल 5 ट्रिप के लिए निरस्त रहेगी।

-22705 तिरुपति-जम्मू तवी एक्सप्रेस दिनांक 14, 21, 28 जनवरी, 04 11, 18 फरवरी और 25 फरवरी को कुल 7 ट्रिप के लिए निरस्त रहेगी।

-22706 जम्मू तवी-तिरुपति एक्सप्रेस दिनांक 17, 24, 31 जनवरी, 07, 14, 21 और 28 फरवरी को कुल 7 ट्रिप के लिए निरस्त रहेगी।

पुलिस कस्टडी से भागा चोर गिरफ्तार, कब्रिस्तान में छिपा था

भोपाल। 9 जनवरी को कोहेफिजा पुलिस की हिरासत से भागे शातिर चोर को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस मेडिकल के लिए जेपी अस्पताल लेकर पहुंची थी। इसी दौरान वह हथकड़ी खिसकाकर मौके से भाग निकला था। एसआई संजीव धाकड़ ने बताया कि, कोहेफिजा इलाके में 400 ग्राम चांदी चोरी के एक आपराधिक प्रकरण में पुलिस ने विदिशा के शातिर चोर जयंत लोधी को पकड़ा था। गिरफ्तारी के बाद उसे मेडिकल कराने के लिए 9 जनवरी को जेपी अस्पताल ले जाया गया था। यहां पर उसने पुलिसकर्मियों को चकमा देकर हथकड़ी खिसकाकर फरार हो गया था। हिरासत से फरार होने का मामला हबीबगंज थाने में दर्ज किया गया था।

कट्टा, कारतूस के साथ पकड़ा गया आरोपी इधर कोहेफिजा पुलिस उसकी लगातार तलाश कर रही थी। इसी दौरान पुलिस को मुखबिर ने सूचना दी कि ईसाई कब्रिस्तान के पास एक युवक संदिग्ध हालत में खड़ा हुआ है। उसके पास कारतूस व कट्टा है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और उसे हिरासत में लिया। तलाशी लेने पर उसके पास एक देसी कट्टा व दो जिंदा कारतूस मिले।

चोरी की बाइक से घूम रहा था वह एक बाइक लेकर खड़ा था, यह बाइक भी चोरी की थी। जो रानी कमलापति स्टेशन के पास से चुराई गई थी। पूछताछ करने पर उसने अपना नाम जयंत लोधी बताया। आगे की जांच में पता चला कि वह भोपाल के साथ ही सीहोर, राजगढ़ तथा रायसेन में चोरी की कई वारदातों को अंजाम दे चुका है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर फरारी के दौरान उसे कट्टा देने वाले शख्स का भी पता लगा रही है।

संपादकीय

खुद के डॉकिंग मैकेनिज्म से अंतरिक्ष में खुले अनंत द्वार

भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी (इसरो) ने इतिहास रच दिया। अंतरिक्ष में दो स्पेसक्राफ्ट को आपस में जोड़ने में इसरो ने सफलता हासिल की है। इस स्पेस डॉकिंग को अंजाम देने वाला भारत दुनिया का चौथा देश बन गया है। इससे पहले अमेरिका, रूस और चीन ही ऐसा कर सके थे। अब भारत भी उन देशों में शुमार हो गया है, जिसके पास स्पेस डॉकिंग टेक्नोलॉजी है। स्पेस डॉकिंग का मतलब है स्पेस में दो अंतरिक्ष यानों को आपस में कनेक्ट करना।

भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी (इसरो) ने इतिहास रच दिया। अंतरिक्ष में दो स्पेसक्राफ्ट को आपस में जोड़ने में इसरो ने सफलता हासिल की है। इस स्पेस डॉकिंग को अंजाम देने वाला भारत दुनिया का चौथा देश बन गया है। इससे पहले अमेरिका, रूस और चीन ही ऐसा कर सके थे। अब भारत भी उन देशों में शुमार हो गया है, जिसके पास स्पेस डॉकिंग टेक्नोलॉजी है। स्पेस डॉकिंग का मतलब है स्पेस में दो अंतरिक्ष यानों को आपस में कनेक्ट करना। 30 दिसंबर को इसरो ने दो अंतरिक्ष यानों स्पेडेक्स ए और स्पेडेक्स बी को अंतरिक्ष में भेजा था। इन दोनों अंतरिक्ष यानों का वजन 220 किलो है। बुलेट से कई गुना रफ्तार से घूम रहे दोनों स्पेसक्राफ्ट की स्पीड को धीरे-धीरे कम किया गया, जिसके बाद उन्हें आपस में जोड़ा गया। इस तकनीक को स्पेस डॉकिंग कहते हैं। अब इन स्पेसक्राफ्ट में इलेक्ट्रिक पॉवर ट्रांसफर का एक्सपेरीमेंट किया जाएगा, इसके बाद अनडॉकिंग होगी। यानी दोनों स्पेसक्राफ्ट अलग होकर अपने-अपने ऑपरेशन शुरू कर देंगे। इस मिशन की कामयाबी से भारत के चंद्रयान-4, गगनयान और भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन बनाने जैसे मिशनों का भविष्य तय हुआ है। जहां चंद्रयान-4 मिशन से चंद्रमा की मिट्टी के नमूने भारत लाए जाएंगे, वहीं गगनयान मिशन के जरिये भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में भेजा जा सकेगा। दरअसल, स्पेडेक्स दो छोटे अंतरिक्ष यान का उपयोग करके अंतरिक्ष में डॉकिंग के लिए एक किफायती प्रौद्योगिक मिशन है। गत तीस दिसंबर को इसरो ने इस प्रयोग को सफलतापूर्वक संपन्न किया। इसके अंतर्गत दो छोटे उपग्रहों को पीएसएलवी सी-60 के जरिये श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से प्रक्षेपित किया गया था। प्रक्षेपण के 15 मिनट बाद 220 किलो वजनी दो छोटे उपग्रहों को पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित कर दिया गया था। गुरुवार को डॉकिंग के बाद एक सिंगल ऑब्जेक्ट के रूप में स्पेसक्राफ्ट का नियंत्रण सफलता पूर्वक किया गया। आने वाले दिनों में अनडॉकिंग और पॉवर स्थानांतरण की प्रक्रिया को अंजाम दिया जाएगा। इस डॉकिंग प्रक्रिया को धरती से संचालित किया गया था। कालांतर ये दोनों उपग्रह अपने पेलोड के ऑपरेशन शुरू करेंगे। ये दो साल तक मूल्यवान डेटा इसरो को भेजते रहेंगे। निश्चित रूप से यह प्रक्रिया बेहद जटिल होती है, बिना गुरुत्वाकर्षण के बीच तेज गति से घूम रहे उपग्रहों को आपस में जोड़ना बेहद कठिन कार्य होता है। लेकिन भारतीय अंतरिक्ष वैज्ञानिकों की मेधा से यह संभव हुआ है।

बहरहाल, इस मिशन की सफलता ने आने वाले समय में गगनयान मिशन, अंतरिक्ष स्टेशन बनाने व भारत के महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष यात्री भेजने के अभियान की सफलता की राह सुगम कर दी है। इतना ही नहीं, अंतरिक्ष स्टेशन बनाने के बाद वहां आने-जाने के लिये भी डॉकिंग तकनीक उपयोगी साबित होगी। वहीं दूसरी ओर सैटेलाइट सर्विसिंग, इंटरप्लेनेटरी मिशन और इंसान को चंद्रमा पर भेजने के लिये भी यह तकनीक जरूरी थी। निस्संदेह, यह अभियान खासा चुनौतीपूर्ण था। गुरुवार को मिली सफलता से पहले सात और नौ जनवरी को तकनीकी कारणों से इस मिशन को टाला गया था। फिर बारह जनवरी को इसरों ने एक परीक्षण किया था, जिसमें दोनों उपग्रहों को तीन मीटर तक की दूरी तक लाया गया था। इसके बाद आगे के प्रयोगों के लिए सुरक्षित दूरी पर ले जाया गया। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भारतीय वैज्ञानिकों ने खुद का डॉकिंग मैकेनिज्म विकसित किया। इस बेहद जटिल व संवेदनशील तकनीक को अब तक कामयाब हुए देशों ने भारत को नहीं दिया था। इसीलिए इसरो ने इसे 'भारतीय डॉकिंग सिस्टम' नाम देकर पेटेंट भी करा लिया है। निश्चय ही यह भारतीय वैज्ञानिकों की उपलब्धि का गौरवशाली क्षण बना है। यह हमारी अंतरिक्ष में एक लंबी छलांग भी है।

हमारे लिए खतरा है पाक-बांग्लादेश की नजदीकियां

बांग्लादेश की कार्यवाहक सरकार प्रधानमंत्री शेख हसीना के अपदस्थ होने के बाद से लगातार भारत विरोधी गतिविधियों एवं कारगुजारियों एवं षडयंत्रों में संलग्न है, लगता है पाकिस्तान के शह पर बांग्लादेश का भारत विरोधी रवैया बढ़ रहा है। बांग्लादेश में लगातार भारत विरोधी मुहिम व अल्पसंख्यक हिन्दुओं एवं हिन्दू धर्मस्थलों पर हिंसक हमलों के बाद अब भारत सीमा पर बाड़बंदी को लेकर बेवजह का विवाद खड़ा किया जा रहा है। जबकि इस मुद्दे पर दोनों देशों के बीच पहले ही सहमति बनने के बाद बड़े हिस्से पर बाड़बंदी हो चुकी है। लेकिन टकराव मोल लेने को तैयार बैठे बांग्लादेश के हुक्मरान विवाद के नये-नये मुद्दे तलाश रहे हैं एवं दोनों देशों की आपसी संबंधों को नेस्तनाबूंद कर रहे हैं। बांग्लादेश भारत की शांति व सद्भाव की कामना एवं सहनशीलता को उसकी कमजोरी न माने, ऐसी भूल बांग्लादेश के लिये बहुत भारी पड़ सकती है। दोनों देशों की शांति, सद्भावना एवं सौहार्द के लिये किसी तीसरे देश के दखल को बढ़ने न दिया जाये।

2015 में शेख हसीना के कार्यकाल के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ढाका पहुंचे। यहां दोनों नेताओं ने एक समझौते पर हस्ताक्षर किया। इसे लैंड बाउंड्री एग्रीमेंट कहते हैं। इसी के अन्तर्गत भारत ने अब तक 3271 किलोमीटर सीमा कर बाड़बंदी कर दी है। अब केवल 885 किलोमीटर खुली सीमा की बाड़बंदी बाकी है। भारत बचे इलाके की बाड़बंदी कर रहा है लेकिन बांग्लादेश भारत की कोशिशों में अड़ंगा डाल कर दोनों देशों के बीच हुए समझौते को नकार रहा है। बांग्लादेश के गृह मंत्रालय ने ढाका में भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को बुलाकर विरोध व्यक्त किया तो इसके जवाब में भारत ने भी जवाबी कार्रवाई की और बांग्लादेश के डिप्टी हाईकमिश्नर नूरूल इस्लाम को तलब कर अपना विरोध जताया। भारत अपनी सीमाओं को अभेद्य बना रहा है। सीमाओं के खुले रहने से बांग्लादेश से लगातार अवैध घुसपैठ, हथियारों की तस्करी, ड्रग स्मगलिंग, नकली नोटों का कारोबार और आतंकवादी गतिविधियां लगातार हो रही हैं। विशेषतः पाकिस्तान अब अपनी आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने के लिये बांग्लादेश का उपयोग कर रहा है। दरअसल, बांग्लादेश की युनूस सरकार पाकिस्तान के इशारों पर पुराने मुद्दे उछाल कर विवाद को हवा दे रही है। निश्चित ही पाक से उसकी नजदीकियां लगातार बढ़ी हैं और वहां पाक सेना के अधिकारियों की सक्रियता देखी गई है, ऐसी जटिल होती स्थितियों में भारत को अपनी सुरक्षा चिंताओं के लिये कदम उठाने ही चाहिए एवं अपनी सीमाओं को सुरक्षित बनाना ही चाहिए। पाकिस्तान पंजाब, जम्मू-कश्मीर व नेपाल के रास्ते आतंकवादियों को भारत भेजने की कोशिशें लगातार करता रहा है, अब उसने बांग्लादेश को भी इन गतिविधियों के लिये चुना है एवं बांग्लादेश से लगी भारत की खुली सीमा का दुरुपयोग कर रहा है तो भारत को सतर्क एवं सावधान होना ही चाहिए। पाकिस्तान से लगती सीमा पर तमाम चौकसी के बाद भी सीमा पार से जिस तरह जब-तब आतंकियों की घुसपैठ होती रहती है, वह गंभीर चिंता की बात है। जब पाकिस्तान से लगती सीमा भारत की सुरक्षा के लिए खतरा बनी हुई है, तब यह शुभ संकेत नहीं कि बांग्लादेश से लगी सीमा भी भारत के लिए चिंता का कारण बने।

बड़ी सच्चाई है कि पाक का जन्म ही भारत विरोधी मानसिकता से हुआ है। ऐसे में अतीत से सबक लेते हुए भारत को अपनी सीमाओं की सुरक्षा को लेकर किसी तरह की चूक नहीं करनी चाहिए। किसी भी तरह की ढिलाई भारतीय सुरक्षा पर भारी पड़ सकती है। भारत की उदारता को बांग्लादेश हमारी कमजोरी न मान ले, इसलिए उसे बताना जरूरी है कि भारत से टकराव की कीमत उसे भविष्य में चुकानी पड़ सकती है। यह भी कि संबंधों में यह कसैलापन, दौगलापन एवं टकराव लंबे समय तक नहीं चल सकता। उसकी यह कटुता उसके लिये ही कालांतर घातकएवं विनाशकारी साबित हो सकती है। यह विडंबना ही है कि नोबेल पुरस्कार से सम्मानित अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस से क्षेत्र में शांति व सद्भाव की जो उम्मीदें थी, उसमें उन्होंने मुस्लिम कट्टरपंथ को आगे करके निराश ही किया है। उनकी सरकार लगातार विघटनकारी, अड़ियल व बदमिजाजी का रुख अपनाए हुए है, दोनों देशों के संबंध बिगाड़ने में पर्दे के पीछे पाकिस्तान की भूमिका को साफ-साफ देख जा रहा है। जबकि शेख हसीना शासनकाल में भारत और बांग्लादेश के संबंध सामान्य थे तो भारत बांग्लादेश को विश्वास में लेकर बाड़बंदी कर रहा था लेकिन अब यूनुस सरकार लगातार उकसाने वाली कार्रवाई कर रही है। उसने पाकिस्तानियों का बांग्लादेश में प्रवेश आसान कर दिया है तो पाक के बांग्लादेश को भारत विरोधी प्लेटफॉर्म के रूप में इस्तेमाल करने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। इसी के चलते बांग्लादेश की भारत विरोधी बयानबाजी और कारगुजारी से दोनों देशों के संबंधों में जबरदस्त कड़वाहट आ चुकी है। बावजूद इसके गत दिसम्बर में भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने अपनी ढाका यात्रा के दौरान बांग्लादेश को आश्वस्त किया था कि भारत उसका दोस्त बना हुआ है और व्यापार, ऊर्जा, बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी के मामलों में रिश्ते पहले की तरह बरकरार रहेंगे। उस समय ऐसा लगा था कि दोनों पक्षों ने सीमा पर स्थिति को ?शांत कर लिया है।

यूनुस सरकार ने भारत विरोधी तत्वों को न केवल हवा दी है बल्कि उनको उग्र कर दिया है। जेल में बंद कई भारत विरोधी तत्वों को बेल दे दी गयी है, ये ही तत्व भारत में अस्थिरता फैलाने की साजिश रच रहे हैं। लिहाजा भारत के लिये बॉर्डर पर घेराबंदी अत्यावश्यक हो गयी है। राजनीतिक आग्रह, पूर्वाग्रह एवं दुराग्रह के चलते यूनुस सरकार शेख हसीना के पिता की विरासत को निपटाने एवं धुंधलाने की कोशिशों में लगी हुई है। कट्टरपंथी तत्व जनाक्रोश के चलते अपनी सुविधा का मुहावरा गड़ने का प्रयास कर रहे हैं। भारत में पहले से ही लाखों बांग्लादेशी अवैध रूप से रह रहे हैं लेकिन ढाका द्वारा आतंकवादियों और दोषी ठहराए गए इस्लामी कट्टरपंथियों की रिहाई के बाद भारत द्वारा बॉर्डर पर कंटीले तारों को लगाने की कोशिश का बांग्लादेश ?सरकार द्वारा कड़ा विरोध दर्शा रहा है कि पाकिस्तान की तरह बांग्लादेश भी भारत में अस्थिरता, अशांति एवं अराजकता फैलाना चाहता है। बांग्लादेश बाड़ लगाने के समझौते का सम्मान करने के बजाय उसकी समीक्षा करने की बात करके उसमें रौड़ा अटकाना चाह रहा है। वह उन स्थानों पर कंटीले तारों वाली बाड़ लगाने का खास तौर पर विरोध कर रहा है, जहां से बड़े पैमाने पर घुसपैठ और तस्करी होती है और यही से आतंकवादी गतिविधियों को संचालित करने की संभावनाएं हैं। इसके कुछ पुष्ट प्रमाण भी मिले है। इस संदर्भ में बांग्लादेश वैसे ही कुतर्क एवं बेतूके तथ्य प्रस्तुत कर रहा है, जैसे सीमा सुरक्षा के भारत के प्रयत्नों पर पाकिस्तान करता रहता है। हैरानी नहीं कि यह बांग्लादेश से पाकिस्तान की हालिया नजदीकी किसी बड़ी दुर्घटना या आतंकी हमले का सबब बन जाये। भारत इसकी अनदेखी नहीं कर सकता। भारत को यह देखना होगा कि कहीं ये दोनों देश मिलकर उसके खिलाफ कोई ताना-बाना तो नहीं बुन रहे हैं? निश्चित रूप से पिछले दिनों बांग्लादेश से रिश्तों में जिस तरह से अविश्वास एवं कडवाहट उपजी है, उसके चलते भारत अपनी सुरक्षा चिंताओं को नजरअंदाज नहीं कर सकता। भारत के लिए यही उचित है कि वह पाक-बांग्लादेश के संभावित गठजोड़ से सावधान रहे। भारत को अपनी सुरक्षा चिंताओं के लिये कदम उठाने ही चाहिए। बीएसएफ और बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश यानी बीजीबी में कई बार बातचीत के बाद बाड़बंदी मुद्दे पर सहमति बन चुकी है। लेकिन बांग्लादेश भारत की सदाशयता एवं उदारता के बावजूद टकराव के मूड में नजर आता है। ऐसा ही रवैया उसका अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर भी रहा है, जिस बारे में वह अब दलील दे रहा है कि हालिया बांग्लादेश में हिन्दुओं से जुड़ी हिंसक घटनाएं सांप्रदायिक नहीं बल्कि राजनीतिक कारणों से हुई हैं। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि दोनों देशों के संबंध बिगाड़ने में पर्दे के पीछे पाकिस्तान की भूमिका हो। जिस बांग्लादेश को पाकिस्तानी क्रूरता से मुक्त कराकर एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में भारत ने तमाम कुर्बानियों के बाद जन्म दिया, उसका यह रवैया दुर्भाग्यपूर्ण ही नहीं, बल्कि विडम्बनापूर्ण कहा जाएगा।

भारत में अब सभ्य पुत्र का पालन एक बड़ी चुनौती

भारत, जो अपनी विविधता और सांस्कृतिक समृद्धि के लिए जाना जाता है, आज एक ऐसे दौर से गुजर रहा है जहां सामाजिक और नैतिक मूल्यों को लेकर चिंताएं बढ़ती जा रही हैं। सड़क पर आक्रामकता, हर कोने में छुपी यौन हिंसा और अल्पसंख्यकों को लेकर बढ़ती असहिष्णुता जैसे मुद्दे समाज को तोड़ रहे हैं। इस माहौल में एक सभ्य और जिम्मेदार पुत्र का पालन-पोषण करना एक चुनौती बन गया है। भारत, जो अपनी विविधता और सांस्कृतिक समृद्धि के लिए जाना जाता था, आज सामाजिक और नैतिक मूल्यों के संकट से जूझ रहा है। परिवारों और समाज में बढ़ती हिंसा, यौन अपराध, असहिष्णुता, और गैर-जिम्मेदार आचरण ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या हम अगली पीढ़ी को सभ्य और जिम्मेदार नागरिक के रूप में तैयार कर पा रहे हैं। सभ्य पुत्र का अर्थ केवल एक नैतिक इंसान ही नहीं है, बल्कि ऐसा व्यक्ति भी है जो दूसरों के प्रति करुणा, सहिष्णुता और समानता के मूल्यों को समझता हो। भारत की सड़कों पर आक्रामकता और हिंसा आम होती जा रही है। ट्रैफिक विवाद से लेकर छोटे-छोटे झगड़ों तक, लोग जल्दी गुस्सा हो जाते हैं और बात हाथापाई बल्कि खून ख़राबे तक पहुंच जाती है। यह आक्रामकता न केवल समाज में असुरक्षा बढ़ाती है, बल्कि बच्चों के मन पर भी गहरा प्रभाव डालती है। बच्चे अपने आसपास के व्यवहार से सीखते हैं। जब वे अपने माता-पिता या बड़ों को आक्रामक होते देखते हैं, तो वे भी वही व्यवहार अपनाने लगते हैं। सार्वजनिक स्थानों पर हिंसा को रोकने के लिए सख्त कानून और समाज की जागरूकता आवश्यक है। भारत में यौन हिंसा भी एक गंभीर समस्या है। इसके पीछे मुख्य कारण लैंगिक असमानता और पितृसत्तात्मक मानसिकता है। इसके लिये बच्चों को लैंगिक संवेदनशीलता सिखाना बहुत ज़रूरी है। एक सभ्य पुत्र के निर्माण में यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि वह महिलाओं का सम्मान करना सीखे। इसके लिए माता-पिता को अपने बेटों को यह समझाना होगा कि महिलाएं समान अधिकार और सम्मान की हकदार हैं। बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा के दौरान स्कूलों और परिवारों में लैंगिक समानता और यौन शिक्षा पर जोर दिया जाना चाहिए। इससे बच्चों में संवेदनशीलता और जागरूकता बढ़ेगी। आजकल किशोरों में यौन अपराधों की घटनाएं बढ़ रही हैं। इसका मुख्य कारण माता-पिता की लापरवाही, अनुचित सामग्री की उपलब्धता और यौन शिक्षा की कमी है। कच्ची उम्र में बच्चे इंटरनेट और सोशल मीडिया से प्रभावित होकर ऐसे कार्यों में लिप्त हो जाते हैं, जो उनके भविष्य को अंधकारमय बना सकते हैं। यौन शिक्षा को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाना जरूरी है, ताकि बच्चों को इस विषय में जागरूक किया जा सके। इसके अलावा, मोबाइल और इंटरनेट पर एडल्ट कंटेंट को सीमित करने के लिए सख्त कानून बनाए जाने चाहिए। बल्कि सरकार को मोबाइल निर्माताओं से बच्चों के लिये विशेष मोबाइल के निर्माण को कहना चाहिए जिसमें ऐसे फिल्टर हों जो एडल्ट कंटेंट ब्लाक कर सकें। भारत का एक बड़ा वर्ग आज यह मानने लगा है कि अल्पसंख्यक उनकी नौकरियां और अवसर छीन रहे हैं। यह धारणा न केवल सामाजिक विभाजन को बढ़ावा देती है, बल्कि अगली पीढ़ी के मन में असहिष्णुता का बीज भी बोती है। बच्चों को सिखाया जाना चाहिए कि हर धर्म, जाति और समुदाय का समाज में योगदान होता है उनको ऐतिहासिक और सांस्कृतिक ज्ञान देते हुए यह समझाना महत्वपूर्ण है कि भारत की ताकत उसकी विविधता में है।बच्चों को ऐसे रोल मॉडल से परिचित कराना चाहिए जो समानता और सद्भाव के आदर्श स्थापित करते हों। माता-पिता बच्चों के पहले शिक्षक होते हैं। लेकिन आजकल कई माता-पिता अपनी व्यस्तता या उदासीनता के चलते बच्चों पर ध्यान नहीं दे पा रहे हैं। यह

लापरवाही बच्चों को गलत राह पर ले जा रही है। बच्चों का बिना लाइसेंस के वाहन चलाना, ट्रैफिक नियमों को तोड़ना, और दूसरों की जान को जोखिम में डालना आम हो गया है। माता-पिता को बच्चों पर कड़ी निगरानी रखनी चाहिए और उन्हें यह सिखाना चाहिए कि जिम्मेदारी और अनुशासन क्यों जरूरी हैं। उनकी भूमिका इस संदर्भ में और भी महत्वपूर्ण हो जाती है।माता-पिता को खुद वह व्यवहार प्रदर्शित करना चाहिए जिसे वे अपने बच्चों में देखना चाहते हैं।माता-पिता के लिये बच्चों से नियमित संवाद करना, उनकी समस्याओं को समझना और उन्हें सही-गलत का अंतर समझाना आवश्यक है। उनके लालन पालन में अनुशासन और स्वतंत्रता का संतुलन बहुत ज़रूरी है। बच्चों को अनुशासन में रखना जरूरी है, लेकिन उनकी स्वतंत्रता का भी सम्मान किया जाना चाहिए।माता-पिता को चाहिए कि वे बच्चों को प्रेरित करने के लिए कहानियां, किताबें और फिल्में दिखाना जो उन्हें करुणा, साहस और समानता का महत्व समझाएं। भारत की शिक्षा प्रणाली को भी सभ्य नागरिकों के निर्माण में अपनी भूमिका निभानी होगी।इसके लिये मूल्य-आधारित शिक्षा बहुत ज़रूरी है जिसमें पाठ्यक्रम में नैतिकता, समानता और सामाजिक जिम्मेदारी पर आधारित पाठ जोड़े जाने चाहिए। शालाओं में ऐसी गतिविधियां आयोजित की जानी चाहिए जो बच्चों को टीमवर्क, सहिष्णुता और नेतृत्व सिखाएं।साथ ही सामाजिक मुद्दों पर चर्चा और समाधान के लिए स्कूल और कॉलेज स्तर पर कार्यक्रम चलाए जाने चाहिए। मीडिया आज के दौर में बच्चों के लिए एक बेहद प्रभावशाली माध्यम बन गया है। टेलीविजन, सिनेमा और सोशल मीडिया बच्चों के जीवन में गहरा प्रभाव डालते हैं। इन माध्यमों की जिम्मेदारी है कि वे ऐसी सामग्री प्रस्तुत करें जो बच्चों के नैतिक, सामाजिक और मानसिक विकास में सहायक हो। परंतु, इन माध्यमों के साथ-साथ मोबाइल और इंटरनेट पर उपलब्ध अनुचित सामग्री बच्चों के कोमल और प्रभावशाली मन पर नकारात्मक प्रभाव डाल रही है। आज के समय में मोबाइल और इंटरनेट का उपयोग बच्चों के लिए मनोरंजन से अधिक आवश्यकता बन गया है। हालांकि, यह भी सच है कि इन तकनीकों से फैलने वाली अश्लील सामग्री, हिंसा, असहिष्णुता, और नकारात्मक विचारधाराएं बच्चों की मानसिकता को विकृत करने में बड़ी भूमिका निभा रही हैं। सोशल मीडिया के अनियंत्रित उपयोग से बच्चे न केवल समय का दुरुपयोग करते हैं, बल्कि वे कई बार मानसिक तनाव, असुरक्षा और नकारात्मक विचारों का शिकार भी बन जाते हैं। सरकार को इस दिशा में सख्त कदम उठाने की आवश्यकता है। बच्चों के मोबाइल और इंटरनेट उपयोग को नियंत्रित करने के लिए निम्नलिखित उपाय किए जा सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया का उदाहरण लेते हुए, भारत में भी मोबाइल उपयोग की आयु सीमा निर्धारित की जानी चाहिए। ऑस्ट्रेलिया में मोबाइल उपयोग की आयु सीमा तय की गई है। वहां बच्चों को एक निश्चित उम्र तक मोबाइल नहीं दिया जाता और स्कूलों में भी मोबाइल के उपयोग पर सख्त पाबंदी है। यह न केवल बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में सहायक है, बल्कि उन्हें अध्ययन और खेल-कूद जैसे सकारात्मक कार्यों में व्यस्त रखने में भी मदद करता है। विशेष मोबाइल डिवाइस- सरकार मोबाइल कंपनियों से यह सुनिश्चित करने के लिए कह सकती है कि बच्चों के लिए विशेष फोन बनाए जाएं। जिनमें एडल्ट कंटेंट ब्लॉक हो।सोशल मीडिया के उपयोग की सीमा तय हो।बच्चों की केवल शैक्षिक और सुरक्षित सामग्री तक पहुंच हो। सोशल मीडिया कंपनियों को ऐसी प्रणाली विकसित करनी चाहिए, जिसमें बच्चों के अकाउंट्स पर विशेष सुरक्षा उपाय हों। बच्चों के लिए उपयुक्त सामग्री फिल्टर करने और स्क्रीन टाइम को सीमित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाने चाहिए। सरकार को अभिभावकों के लिए जागरूकता अभियान चलाने चाहिए ताकि वे अपने बच्चों के मोबाइल उपयोग पर नियंत्रण रख सकें। बच्चों का भविष्य सुरक्षित और उज्ज्वल बनाने के लिए सरकार, मोबाइल कंपनियों, समाज और अभिभावकों को एक साथ आना होगा। बच्चों को तकनीक के सकारात्मक उपयोग के लिए प्रेरित करना और नकारात्मक प्रभावों से बचाना हमारा सामूहिक दायित्व है। यदि मोबाइल और इंटरनेट के उपयोग पर सही तरीके से नियंत्रण लगाया जाए, तो यह बच्चों के विकास के लिए एक वरदान साबित हो सकता है। भारत जैसे बड़े और विविधतापूर्ण देश में एक सभ्य पुत्र का निर्माण करना एक बड़ी चुनौती है। लेकिन यह असंभव नहीं है। माता-पिता, शिक्षक, समाज और सरकार, सभी को मिलकर ऐसी पीढ़ी तैयार करनी होगी जो सहिष्णु, दयालु और जिम्मेदार हो। यह छोटी-छोटी पहल, जैसे दूसरों के प्रति करुणा और समानता का सम्मान, भारत को एक बेहतर समाज बनाने की दिशा में ले जा सकती है।क्योंकि सभ्य पुत्र सिर्फ एक परिवार का गौरव नहीं, बल्कि एक सभ्य समाज की नींव भी है।

(राजीव खरे ब्यूरो चीफ छत्तीसगढ़)

डीएम की अध्यक्षता में एनसीओआरडी की बैठक हुई सम्पन्न

मादक पदार्थों के क्रय-विक्रय एवं उपयोग को रोकते हुए इसके दुष्परिणामों, हानिकारक प्रभावों के बारे में जन सामान्य को करें जागरूक - डीएम मनीष बंसल

गौरव सिंघल । सिटी चीफ (उ प्र) सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में एनसीओआरडी की जिला स्तरीय समिति की बैठक आहूत की गयी। बैठक में जिलाधिकारी मनीष बंसल ने कहा कि मादक पदार्थों के क्रय-विक्रय एवं उपयोग को रोकते हुए इसके दुष्परिणामों, हानिकारक प्रभावों के बारे में जन सामान्य को जागरूक करने पर विशेष बल दिया जाए। उन्होंने कहा कि आजकल युवाओं में मादक पदार्थों से इतर नशीली दवाओं का सेवन बढ़ा है, ऐसे में मेडिकल स्टोर्स पर प्रतिबंधित दवाओं की ब्रिक्री पर पूर्णत: अंकुश लगाते हुए ब्रिकी पर विराम लगाना सुनिश्चित करें। उन्होंने ड्रग इंस्पेक्टर को निर्देशित किया कि मेडीकल स्टोर्स की जांच कर नशीली दवाओं पर पूर्णत: रोक लगाना सुनिश्चित कराएं। डीएम मनीष बंसल ने निर्देशित करते हुए कहा कि हमारा जनपद हरियाणा एवं उत्तराखंड से सटा हुआ है, ऐसे में पुलिस एवं अभिसूचना तंत्र को सक्रिय करते हुए समय-समय पर इन राज्यों से आने वाली बसों व अन्य वाहनों की चैकिंग कर नशीले पदार्थों की तस्करी की संभावनाओं को शून्य किया जाए।जिलाधिकारी मनीष बंसल ने निर्देशित किया कि स्कूल कॉलेजों में नशीली दवाओं के सेवन के खिलाफ जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर युवाओं को जागरूक करते हुए विद्यालयों के आसपास तम्बाकू उत्पादों की ब्रिकी पर रोक लगाई जाए। इस अवसर पर एसपी ग्रामीण सागर जैन, जिला आबकारी अधिकारी करुणेंद्र सिंह, ड्रग इंस्पेक्टर आशुतोष चौबे सहित अन्य विभागीय अधिकारीगण एवं आबकारी निरीक्षक उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी मनीष बंसल ने कहा

दिव्यांगजनों को विभागीय योजना का लाभ देने के लिए विकास खण्ड स्तर पर आयोजित होंगे शिविर

गौरव सिंघल । सिटी चीफ (उ प्र) सहारनपुर, जिलाधिकारी सहारनपुर मनीष बंसल के निर्देशों के क्रम में दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग की महत्वपूर्ण योजना कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण योजना के अन्तर्गत शिविर के माध्यम से दिव्यांगजनों का चिन्हांकन कराने के साथ ही दिव्यांग पेंशन, दुकान निर्माण एवं संचालन योजना, दिव्यांग शादी-विवाह प्रोत्साहन पुरस्कार हेतु ऑनलाइन आवेदन, यू0डी0आई0डी0 कार्ड संबंधी जानकारी एवं करेक्टिव 'सर्जरी' कराने हेतु चिन्हांकन तथा मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल एवं दिव्यांग पेंशन योजना के अन्तर्गत आधार ऑथेन्टिकेशन कराये जाने हेतु प्रचार-प्रसार किया जाना है।

शिविर में दिव्यांगजन अपने पास उपलब्ध प्रमाण पत्रों यथा दिव्यांग पत्र, आय प्रमाण पत्र (गरीबी रेखा से नीचे), निवास प्रमाण पत्र, आधार कार्ड एवं बैंक पासबुक की प्रति,दो फोटो, मो0न0 आदि के साथ शिविर में उपस्थित होकर अपना पंजीकरण विकास खण्डवार प्रात: 10:00 बजे से सायं 3:00 बजे तक करायेंगे, जिसमे दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के कार्मिक उपलब्ध रहेंगें। 20 जनवरी को विकासखण्ड बलियाखेडी, नगरीय क्षेत्र सहारनपुर में शिविर का आयोजन किया जायेगा। इसी प्रकार 21 जनवरी को विकासखण्ड रामपुर मनिहारान कस्बा रामपुर, 23 जनवरी को विकासखण्ड सढौली कदीम एवं कस्बा छुटमलपुर, 24 जनवरी को विकासखण्ड मुजफ्फराबाद एवं कस्बा बेहट, 25 जनवरी को विकासखण्ड नागल, 28 जनवरी को विकासखण्ड देवबन्द कस्बा देवबन्द, 30 जनवरी को विकासखण्ड गंगोह कस्बा गंगोह एवं कस्बा तीतरों, 04 फरवरी को विकासखण्ड नकुड कस्बा नकुड एवं अम्बेहटा पीर, 06 फरवरी को विकासखण्ड नानौता कस्बा नानौता, 07 फरवरी को विकासखण्ड पुंवारका एवं 11 फरवरी को विकासखण्ड सरसावा कस्बा सरसावा एवं कस्बा चिलकाना सुल्तानपुर में शिविर का आयोजन किया जायेगा। डीएम मनीष बंसल ने कहा कि शिविर में चिकित्सीय टीम द्वारा दिव्यांग प्रमाण पत्र जारी तथा उपकरण हेतु पात्र दिव्यांगजनों को उपकरण की स्वीकृति प्रदान की जायेगी। कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण (यथा ट्राईसाइकिल, व्हीलचेयर, बैशाखी, कान की मशीन, वाकर, ब्लाइंड स्टीक, कुष्ठ रोग से हुए दिव्यांग को लेप्रोसी किट, करेक्टिव सर्जरी, कृत्रिम हाथ/पैर) हेतु चिन्हांकन कर सूचीबद्ध किया जायेगा। विभाग की अन्य योजनाओं सहित दिव्यांगजनों की यू0डी0आई0डी0 कार्ड बनवाने हेतु आनलाइन करने हेतु संबंधित प्रपत्र प्राप्त किये जायेंगे। दिव्यांग पेंशन योजनान्तर्गत आधार ऑथेन्टिकेशन कराया जायेगा।

नगर पालिका परिषद बोर्ड की बैठक में आय-व्यय समेत नगर विकास से संबंधित समस्त प्रस्ताव सर्वसम्मति से हुए पारित

आगामी श्री त्रिपुर मां बाला सुंदरी देवी मेले के लिए कमेटी का हुआ गठन, मेला चेयरमैन सभासद महक चौहान को बनाया गया

गौरव सिंघल । सिटी चीफ (उ प्र) देवबंद । सहारनपुर, नगर पालिका परिषद बोर्ड की बैठक में आय -व्यय समेत नगर विकास से संबंधित समस्त प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित हुए। साथ ही आगामी श्री त्रिपुर मां बाला सुंदरी देवी मेले के लिए कमेटी का गठन किया गया। मेला चेयरमैन सभासद महक चौहान को बनाया गया। मेला चेयरपर्सन महक चौहान औय कमेटी के सदस्यों का सभासदों ने जोरदार स्वागत किया। नगरपालिका सभागार में पालिकाध्यक्ष विपिन गर्ग की अध्यक्षता में हुई बैठक में जून से नवंबर माह तक के आय-व्यय का विवरण सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया। सभासदों द्वारा अपने-अपने वार्डों में विकास कार्य कराए जाने के प्रस्ताव पर मोहर लगाई गई। सफाईकर्मियों के लिए सफाई उपकरण उपकरण मुहैया कराने के साथ ही उन्हें ठंडी वर्दी दिए जाने के प्रस्ताव को हरी झंडी दी गई। इसके अलावा जन्म-मृत्यु पंजीकरण के रजिस्टरों की जिल्दसाजी और गृहकर विभाग में मृतक/बैनामें के मामलों में प्राप्त प्रार्थना पत्रों पर विलंब शुल्क नहीं लिए जाने का प्रस्ताव पास हुआ। बैठक में आगामी अप्रैल माह में आयोजित होने वाले श्री त्रिपुर मां बाला सुंदरी देवी मेले के लिए कमेटी का गठन करते हुए सभासद महक चौहान पत्नी श्याम चौहान को मेला चेयरपर्सन बनाया गया। साथ ही आयशा पत्नी आरिफ, शाहीन पत्नी वसीम, विपिन त्यागी व अख्तर अंसारी को सदस्य नियुक्त किया गया। बैठक में नगरपालिका ईओ डा. धीरेंद्र राय, सभासद हैदर अली, शाहिद हसन, सुधा गांधी पत्नी अजय गांधी, आरिफ सिद्दीकी, मोहम्मद वाजिद, नाहिदा खानम, हाजी शहजाद, नदीम चौधरी, हारिस सैयद, इकबाल अंसारी, अर्जुन सिंघल, औसाफ सिद्दीकी, अंकित राणा, रिहाना पत्नी शराफत मलिक, बिलकीस, रविंद्र चौधरी, गुलनाज मनोज सिंघल आदि सभासद मौजूद रहे।

महाकुंभ नगर के त्रिवेणी मार्ग पर केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों एवं विभागों द्वारा प्रदर्शनी का आयोजन

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की डिजिटल प्रदर्शनी में एनामॉर्फिक वाल, एलईडी टीवी स्क्रीन, एलईडी वाल, होलोग्राफिक सिलेंडर के माध्यम से विभिन्न लोक कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदर्शित हो रही है

रघुवीर सिंह। सिटी चीफ (उ प्र) महाकुंभ नगर, महाकुंभ प्रयागराज के त्रिवेणी मार्ग पर केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों एवं विभागों द्वारा प्रदर्शनी लगाई गई है। इस प्रदर्शनी क्षेत्र में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा भारत सरकार की उपलब्धियों, योजनाओं, नीतियों और लोक कल्याणकारी कार्यक्रमों की जानकारी आमजन को प्रदान करने के लिए लगाई गई डिजिटल प्रदर्शनी पंडाल में ही राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना की डिजिटल प्रदर्शनी के साथ कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय एवं प्रकाशन विभाग के स्टाल भी लगाये गये हैं।

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की डिजिटल प्रदर्शनी में एनामॉर्फिक वाल, एलईडी टीवी स्क्रीन, एलईडी वाल, होलोग्राफिक सिलेंडर के माध्यम से विभिन्न लोक कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदर्शित हो रही है।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की डिजिटल प्रदर्शनी में बाढ़, अगजनी, भूकंप, शीतलहर, जंगल की आग एवं अन्य प्राकृतिक एवं मानव जन्य होने वाली आपदाओं से बचाव के उपाय डिजिटल माध्यम से बताए एवं प्रदर्शित किये जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप की डिजिटल प्रदर्शनी विभिन्न कम्पनियों, उपक्रमों, में प्रधानमंत्री इंटर्नशिप प्राप्त करने की प्रक्रिया बतायी जा रही है।

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के प्रकाशन विभाग के स्टाल पर महत्वपूर्ण विषयों एवं महापुरुषों के जीवन पर आधारित पुस्तकें उपलब्ध हैं।

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के स्टालों पर मिलेट्स उत्पाद एवं सब्जी बीज भी उपलब्ध हैं ।

महाकुंभ में आने वाले हजारों की संख्या में लोग इन और स्टालों का अवलोकन कर रहे है। दर्शक इन प्रदर्शनियों में प्रदर्शित चित्रों, चलचित्रों के माध्यम से दी जा रही जानकारी की सराहना कर रहे हैं और डिजिटल प्रदर्शनी को सूचना एवं शिक्षाप्रद बता रहे है।

महाकुंभ नगर, त्रिवेणी मार्ग प्रदर्शनी परिसर में लगाई गई यह प्रदर्शनियां 26 फरवरी 2025 तक आमजन के अवलोकन के लिए नि:शुल्क खुली रहेगी।

कॉमन सर्विस सेंटर से संबंधित प्रशिक्षण कार्यशाला का हुआ आयोजन

सीएससी की प्रमुख सेवाओं, अन्य कृषि सेवाओं, आदि महत्वपूर्ण सेवाओं का प्रशिक्षण दिया गया

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ

दमोह, स्थानीय जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित के सभागार में सीएससी (कॉमन सर्विस सेंटर) से संबंधित प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन नाबार्ड द्वारा किया गया,जिसमें उपस्थित सभी पीएसीएस समिति प्रबंधक और ऑपरेटर्स को सीएससी जिला प्रबन्धक प्रशान्त कुमार साहू द्वारा 1 दिवसीय प्रशिक्षण सीएससी की प्रमुख सेवाओं जैसे बिजली बिल भुगतान, मोबाइल/ डीटीएच रिचार्ज, टेली लॉ, किसान कार्ड, डिजीपे वेब, इंश्योरेंस,लोन,पैनकार्ड,ई स्टोर, बस/आईआरसीटीसी, पशु बीमा और अन्य कृषि सेवाओं आदि महत्वपूर्ण सेवाओं का प्रशिक्षण दिया गया। इस कार्यक्रम में डीसीसीबी बैंक के महाप्रबंधक, डीडीएम नाबार्ड, नाबार्ड मास्टर ट्रेनर प्रमोद परिहार, पीएसीएस फील्ड इंचार्ज शुभम सिंह, दमोह जिले के टॉप ट्रांजेक्टिंग एवं मॉडल सी एस सी केंद्र संचालक आदर्श दुबे और समस्त समिति प्रबंधक एवं ऑपरेटर प्रशिक्षण में उपस्थित हुए।

पूरी दुनिया में महाकुम्भ की सूचनाएं प्रसारित करने का सबसे प्रमुख केंद्र बना डिजिटल मीडिया सेंटर

वर्क स्टेशन पर 65 से ज्यादा स्थापित डेस्कटॉप पर लगातार रिपोर्ट फाइल कर रहे देश भर के जर्नलिस्ट

रघुवीर सिंह। सिटी चीफ (उप्र) महाकुम्भनगर, महाकुम्भ के अद्भुत आयोजन का जीवंत दृश्य पूरी दुनिया को दिखाने के लिए आधुनिकतम मीडिया सेंटर महाकुम्भ में कार्यरत है। इसमें करोड़ों रुपए की लागत से उच्च गुणवत्ता वाले हाईली प्रोफेशनल कैमरे लगाए गए हैं। इन कैमरों के जरिए महाकुम्भ के हर छोटे-बड़े पल को न केवल लाइव दिखाया जा रहा है, बल्कि हर दृश्य को ऐसी तकनीक से रिकॉर्ड किया जा रहा है कि दर्शक रियल टाइम अनुभव कर पा रहे हैं। इस तकनीकी व्यवस्था के जरिए, महाकुम्भ का जीवंत अनुभव सीधे दुनिया भर के श्रद्धालुओं तक एक साथ पहुंच रहा है। इसके लिए पचास लाख तक के लेंस वाले कैमरे के जरिए महाकुम्भ से संबंधित समाचार डिजिटल मीडिया पर प्रसारित किए जा रहे हैं। अब तक इंटरनेशनल मीडिया के 30 पत्रकारों ने भी महाकुम्भ की विशेष कवरेज की है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने देश विदेश के श्रद्धालुओं के लिए मीडिया सेंटर पर हर जरूरी इंतजाम करने के निर्देश दिए हैं, ताकि हर व्यक्ति को पल पल अपडेट मिलती रहे। यहां अमेरिका, रूस, जर्मनी, जापान और इजरायल में महाकुम्भ से जुड़े समाचारों की बड़ी डिमांड है। इसके अलावा स्वीडिश रेडियो पर चले महाकुम्भ के कार्यक्रम को लोगों ने बहुत पसंद किया है। यहां कॉन्फ्रेंस रूम के साथ चाय, नाश्ते और भोजन सब उपलब्ध हैं। इसके अलावा यहां सुरक्षा के सभी पुख्ता इंतजाम भी किए गए हैं।

साउथ एशिया की नाइला जेसिका, डेर स्पाइगल की लौरा, ईपीडी की अंतेज स्टेबिट्ज ने बजाया महाकुम्भ का डंका महाकुम्भ न सिर्फ भारत, बल्कि दुनिया का सबसे बड़ा सांस्कृतिक आयोजन है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस बार के महाकुम्भ को पहले के सभी कुम्भ से अधिक नव्य और भव्य रूप दिया है। इसी वजह से महाकुम्भ पूरी दुनिया के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। यहां होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम और पल पल की अपडेट दुनिया देखना चाहती है, इसलिए इंटरनेशनल मीडिया को बड़ी प्रमुखता दी गई है। यहां महाकुम्भनगर में बने मीडिया सेंटर में महाकुम्भ की रिपोर्टिंग का बहुत क्रेज है। इसी वजह से अभी हाल ही में स्वीडन के स्वीडिश रेडियो पर चले महाकुम्भ के कार्यक्रम की धूम रही। वहां की पत्रकार ने अपने पॉडकॉस्ट का प्रोग्राम चलाया, जिसे लोगों ने काफी सराहा। दुनिया के सबसे भव्य कार्यक्रम की कवरेज के लिए साउथ एशिया की नाइला जेसिका ने महाकुम्भ को दिव्य और भव्य आयोजन बताया। वहीं, महाकुम्भ में अखाड़े के साधु संतों पर स्पेशल स्टोरी के लिए ईपीडी की तरफ से अंतेज स्टेबिट्ज भी पहुंची हुई हैं। न केवल देश, बल्कि विदेश में खास तौर पर अमेरिका, रूस, जर्मनी, जापान और इजरायल में महाकुम्भ से जुड़े समाचार की बड़ी डिमांड है।

मीडिया सेंटर के सेल्फी प्वाइंट से हो रहा सूचना का प्रवाह मीडिया सेंटर के सेल्फी प्वाइंट में बहुत ही शानदार तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। इस सेल्फी प्वाइंट के बीचो बीच कैमरा लगा है। जो सेल्फी प्वाइंट के सामने आते ही उनकी फोटो क्लिक कर लेता है। इसके बाद इस सेल्फी प्वाइंट के जरिए ही क्यूआर कोड सामने आ जाता है। इस क्यूआर कोड को एक्सेस करते ही टाइम स्लॉट दिखता है, जहां देश ही नहीं विदेश का मीडिया भी अपने स्लॉट बुक कर सकता है। पॉडकॉस्ट में भी इसका इस्तेमाल किया जा रहा है। यहां चलने वाला हर कार्यक्रम सीधे लाइव हो जाता है। इसके साथ ही इसका पूरा विवरण सर्वर में भी आ जाता है। इसके बाद पूरे कार्यक्रम की डिटेल विभाग के साथ साथ सभी मीडिया संस्थानों के माध्यम से जनता तक पहुंचाई जाती है।

पॉडकास्ट रूम से महाकुम्भ की दिलचस्प चर्चा मीडिया सेंटर में एक विशेष पॉडकास्ट रूम भी तैयार किया गया है। जहां प्रतिदिन महाकुम्भ से जुड़ी महत्वपूर्ण चर्चाएं की जा रही हैं। इस रूम में महाकुम्भ के इतिहास, इसकी सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व, आयोजन की जटिलताओं और पर्यावरणीय प्रभावों पर गहराई से चर्चा की जाती है। यह पॉडकास्ट रूम मीडिया कर्मियों और विशेषज्ञों का एक प्रमुख मंच बन चुका है, जहां से महाकुम्भ को लेकर हर पहलू को उजागर किया जाता है।

कॉन्फ्रेंस रूम में मीडिया के लिए बेहतरीन सुविधाएं लाइव टेलीकास्ट की टीम के हेड राजेश कुमार गुप्ता ने बताया कि वर्क स्टेशन पर 65 से ज्यादा कंप्यूटर लगाए जा चुके हैं ।मीडिया सेंटर में एक अत्याधुनिक कॉन्फ्रेंस रूम भी है, जहां पत्रकारों के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। यहां चाय, नाश्ता और भोजन की उत्तम सुविधा प्रदान की गई है, ताकि वे आयोजन की कवरेज में किसी भी प्रकार की असुविधा महसूस न करें। पीसीआर रूम में दो बड़े और दो छोटे स्क्रीन लाइव फीडिंग के माध्यम से महाकुम्भ की हर घटना को दिखा रहे हैं, जिससे मीडिया कर्मी आयोजन के हर पहलू से वाकिफ हो सकें।

सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफार्म का बेहतरीन उपयोग महाकुम्भ में श्रद्धालुओं और दुनिया भर के दर्शकों को लगातार जानकारी देने के लिए यूट्यूब, व्हाट्सएप, फेसबुक, इंस्टाग्राम और एक्स जैसे प्रमुख सोशल मीडिया प्लेटफार्मों का उपयोग किया जा रहा है। इन माध्यमों के ज़रिए मीडिया सेंटर से जुड़े हर छोटे से छोटे अपडेट्स और समाचार प्रसारित किए जा रहे हैं, जिससे आम जनता भी महाकुम्भ के हर अपडेट से अवगत हो सके।

ब्रॉडकास्ट कैमरे और अपलिंक की विशेष व्यवस्था इस मीडिया सेंटर में ब्रॉडकास्ट कैमरे और अपलिंक की विशेष तकनीकी व्यवस्था की गई है, जो लाइव प्रसारण के दौरान किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या से बचाव करती है।

विशेष सुविधाएं और सुरक्षा व्यवस्था मीडिया सेंटर में वीआईपी लाउंज, आरामदायक डबल बेड वाले कमरे, और 56 लोगों के एक साथ बैठने की क्षमता वाला विशाल कैफेटेरिया मौजूद हैं। इसके अलावा प्रेस ब्रीफिंग के लिए 400 लोगों के एक साथ बैठने की व्यवस्था की गई है। सुरक्षा के भी विशेष इंतजाम किए गए हैं, जिससे मीडिया कर्मियों और अन्य अधिकारियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। देश दुनिया तक सटीक जानकारी पहुंचाने के लिए ही उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस अत्याधुनिक मीडिया सेंटर का उद्घाटन किया है।

दमोह कलेक्टर पहुँचे ग्राम लकलका, रात्रि चौपाल लगाकर ग्रामीणों की सुनी समस्याए

ब्लड डोनेशन करने वाल रक्तदाताओं को कलेक्टर सुधीर कोचर ने प्रमाण पत्र देकर किया सम्मानित

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर आज शाम जिले के दमोह विकासखंड के ग्राम लकलका पहुंचे और चौपाल कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर नीलगाय/सुअर के जंगलो से खेतो में आने की शिकायत आने पर कलेक्टर ने नोरादेही डीएफओ अंसारी से दूरभाष पर चर्चा की और आवश्यक कार्यवाही हेतु कहा। इस अवसर पर दिव्यांग चन्दन अहिरवार का यूडीआईडी कार्ड बनवाने आवेदन दिया, इस पर कलेक्टर ने समाजिक न्याय अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। यूडीआईडी बन जाने से दिव्यांग चन्दन की दिव्यांग पेंशन बन जाएगी। इसी प्रकार कोमल यादव ने वृद्धा पेंशन बनवाने आवेदन दिए जिस पर कलेक्टर कोचर ने कहा की पात्रता ना होने से इनकी पेंशन स्वीकृत नही की जा सकेगी लेकिन इनका आयुष्मान कार्ड बन जाने से स्वास्थ्य लाभ मिलने लगेगा। श्री यादव का तत्काल आयुष्मान कार्ड बनवाया गया। इसी प्रकार ग्राम में खेतों की सिचाई करने डीपी की मांग आने पर बिजली विभाग को सर्वे कर प्रस्ताव देने निर्देशित किया।चौपाल में कोमल गोंड की वृद्धा पेंशन मिलती हैं लेकिन पैर कट जाने के कारण ट्राई साइकिल दिलवाने की मांग तथा गुलाब रानी गोंड को कान की मशीन एवं ट्राई साइकिल के आवेदन पर कलेक्टर ने 15 दिन में दिलाई जाने सम्बंधित अधिकारी को निर्देशित किया। कलेक्टर ने बच्चों को पेंसिल, बुक और गर्म कपड़े वितरित किये। ग्राम के छोटे बच्चे किस्सू अहिरवार तथा गायत्री अहिरवार ने शराब बंदी करने कहा जिस पर कलेक्टर सुधीर कोचर ने बड़े ही सहज भाव से शिकायत नोट की। उन्होंने बच्चो से पूछा बड़े होकर क्या बनोगे जिस पर बच्चों ने पुलिस बनने की इच्छा जाहिर की। कलेक्टर सुधीर कोचर ने बच्चों को पेन, पेंसिल, बुक वितरित कर शुभकामनाएं दी। इसी प्रकार वार्ड नं 18 में पानी की समस्या आने पर जल निगम को निर्देश देकर समस्या का निराकरण करने कहा। वॉल लगाकर समस्या का 15 दिन में निराकरण करने निर्देश दिए। इसी प्रकार सुरादेही से ग्वारी की सड़क बनवाने की मांग सामने आने पर जनपद सीईओ दमोह से चर्चा कर प्रधानमंत्री सड़क के 4 चरण में सर्वे कर बनवाने कहा गया। ग्राम में किक्रेट स्टेडियम की मांग पर कलेक्टर सुधीर कुमार ने बताया स्टेडियम का प्रस्ताव बन गया हैं, जल्दी ही इसका कार्य शुरु किया जाएगा। कलेक्टर ने ग्रामवासियों द्वारा नामांतरण, फोती, बटवारा आदि की समस्या रखने पर इस सबंध में राजस्व अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए त्वरित निराकरण के लिए कहा गया।

रात्रि चौपाल में विशेष कलेक्टर ने ब्लड डोनेशन करने वाले रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। इस दौरान ब्लड डोनेशन कैम्प आयोजित किया गया। जिसमें 09 लोगो ने रक्तदान किया। इस अवसर पर एसडीएम दमोह आर एल बागरी, नायब तहसीलदार आशुतोष गुप्ता, सीईओ जनपद पूनमदुबे सहित अन्य अधिकारी-कमर्चारी मौजूद रहे।

कृषि अवसंरचना निधि AIF योजना तथा एमपी फार्म गेट एप का एक दिवसीय जिला स्तिरीय कार्यशाला का आयोजन कृषि विज्ञान केन्द्रि दमोह में किया गया

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, प्रदेश में भारत सरकार की योजना कृषि अवसंरचना निधि AIF) की विशेषताओं तथा एमपी फार्मगेट एप का प्रचार-प्रसार करने कृषकों, व्यापारियों, उद्यमियों, विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों को इन योजनाओं की मुख्य विशेषताएँ जैसे फसलोपरांत प्रबंधन एवं सामुदायिक खेती संबंधित परियोजना की जानकारी मंडी बोर्ड भोपाल के वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में कृषि विज्ञान केन्द्र सागर रोड दमोह में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में दमोह जिले की अपर कलेक्टर मीना मसराम विशेष रूप से उपस्थित रही।

अपर कलेक्टर दमोह द्वारा AIF योजना की प्रशंसा करते हुए इस महत्वपूर्ण अवसर का लाभ उठाने हेतु मार्गदर्शन दिया गया। उन्होंने कहा देश में कृषि अवसंरचना सुधार के क्रम में वित्तीय सहायता देने के उददेश्य से कृषि अवसंरचना निधि AIF) योजना का संचालन किया जा रहा है। जिसमें 01 लाख करोड़ रूपये का भारत सरकार द्वारा कोष सृजित किया गया है। योजना में बैंकों से ऋण लेने पर राशि रूपये 2 करोड़ तक योजना स्वीकृत होने पर 3 प्रतिशत प्रति वर्ष की ब्याज की छूट हितग्राही को उपलब्ध कराई जा रही है। इसके साथ ही उन्होने कहा कि दमोह जिले के जैविक एवं प्राकृतिक खेती उत्पादन करने वाले कृषको की उपज की बिक्री हेतु जैविक/प्राकृतिक खेती उत्पाद हाट बाजार प्रत्येक रविवार प्रातः 10 बजे शाम 4 बजे तक जटाशंकर के पास लगाया जा रहा हैं। कृषक बंधु अधिक से अधिक जैविक खेती कर अपने उत्पादों को हाट बाजार में विक्रय कर सकते है। तथा रासायनिक खेती से मृदा एवं पर्यावरण पर होने वाले प्रतिकूत प्रभावों को भी जैविक एवं प्राकृतिक खेती करके कम किया जा सकता हैं।

कार्यक्रम के प्रारंभ में सहायक संचालक कृषि जे.एल.प्रजापति द्वारा उपस्थित समस्त अतिथियों का स्वागत भाषण एवं कार्यक्रम की रूपरेखा के बारे में चर्चा की। तत्पश्चात संयुक्तर संचालक मण्डी बोर्ड सागर संभाग सागर एस .के. कुमरे द्वारा फार्म गेट एप एवं AIF के बारे में बताया गया एवं सभी अतिथियों का स्वागत किया गया। कार्यशाला में राज्य नोडल अधिकारी ए.आई.एफ. गोविन्द प्रसार शर्मा द्वारा AIF पॉवर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से,ढ्ढस्न योजना पर विस्तृत चर्चा की गई जिसमें उनके द्वारा अवगत कराया गया कि उक्त योजना के तहत वेयरहाउस, कोल्ड स्टोरेज, राइपनिंग चेंबर, प्राइमरी प्रोसेसिंग यूनिट, दाल मिल, फ्लोर मिल, आटा मिल, कस्टम हायरिंग सेंटर, मसाला उद्योग, बांस प्रोसेसिंग उद्योग इत्यादि में AIF योजना का लाभ ले सकते हैं। AIF पोर्टल का तकनीकी प्रशिक्षण भी वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दिया गया। कार्यशाला में हितग्राहियों को हर संभव सहायता मुहैया कराना और इससे लाभान्वित होने का आव्हान किया। कार्यशाला में श्रीराम पटैल, आर.सी. पटैल, नरेन्द्र बजाज, हरिश्चन्द्र पटैल, संयुक्त संचालक मण्डी बोर्ड एस. के. कुमरे, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख कृषि विज्ञान केन्द्र दमोह डॉ. मनोज अहिरवार, कृषि वैज्ञानिक डॉ. राजेश द्विवेदी, राज्य स्तरीय ए.आई.एफ. नोडल अधिकारी गोविन्दा शर्मा, जिला विकास प्रबंधक नावार्ड अभिषेक घोस, सहायक संचालक कृषि एस.एल. कुर्मी, सहायक संचालक कृषि जे.एल. प्रजापति, सहायक संचालक उद्यान यश कुमार सिंह, मण्डी सचिव जी.एस.मुड़ा, सहायक उप निरीक्षक मण्डी प्रदीप पाण्डे, सहायक उप निरीक्षक मनीष नागेन्द्र तथा कृषि विभाग, उद्यानिकी विभाग, जिला उद्योग केन्द्र के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में कृषक उपस्थित रहे।कार्यशाला में मंच संचालन आलोक सोनवलकर द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में कृषि उपज मंडी समिति दमोह के सचिव जी.एस. मुड़ा द्वारा उपस्थित समस्त अतिथियों, अधिकारियों, किसान एवं व्यापारी प्रतिनिधियोंग सम्मानीय मीडिया जनो का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

पर्व पर आधारित पुस्तक कलेक्टर को भेंट की गई

मोहम्मद मुनीर। सिटी चीफ शहडोल, मध्यप्रदेश शासन द्वारा चलाया गया जन कल्याण पर्व पर आधारित पुस्तक को कलेक्टर डॉ. केदार सिंह को जनसम्पर्क अधिकारी शहडोल श्री अरूणेंद्र सिंह ने भेंट की। गौरतलब है कि उक्त पुस्तक में सुशासन, गरीब कल्याण औद्योगिक निवेश, युवा कल्याण किसान कल्याण, शिक्षा, स्वास्थ्य जैसे अन्य विषयों के संबंध में उल्लेख किया गया।

21 जनवरी को हृदय रोग से पीड़ित बच्चों का निःशुल्क जाँच शिविर का होगा आयोजन

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ शहडोल, कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के मार्गदर्शन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा के निर्देशन में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत जिला शीघ्र हस्तक्षेप केन्द्र जिला चिकित्सालय परिसर शहडोल में जन्म से 18 वर्ष तक के जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित चिन्हित बच्चों का निःशुल्क जाँच शिविर का अयोजन 21 जनवरी 2025 को प्रातः 10 बजे से 3 बजे तक किया जाएगा। जाँच शिविर में एस.आर.सी.सी. चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल (नारायण हृदयालय) मुबंई एवं गैलेक्सी हास्पिटल जबलपुर के हृदय रोग चिकित्सकों द्वारा ईको जाँच किया जाएगा। ऐसे बच्चे जिनके दिल में छेद की बिमारी की शिकायत हैं उनके माता पिता अपने बच्चों को लाये तथा उनका कैम्प में आकर निःशुल्क हृदय जाँच करा कर, शासन की जनकल्याणकारी आर.बी.एस.के योजना का लाभ ले सकते हैं। जाँच शिविर में बच्चें का जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड एवं परिवार की समग्र आई.डी. की छायाप्रति तथा 02 पासपोर्ट साईज फोटो अवश्य लाएं तथा जिन बच्चों का उपचार पूर्व में हो चुका हैं वे फॉलोअप हेतु जिला डी.ई.आई.सी आ सकते हैं। जांच हेतु अधिक जानकारी के लिए मोबाईल नम्बर 9589300437, 9165146373 में सम्पर्क कर सकते हैं।

अहिरवार सूर्यवंशी जाटव समाज ने नवागत जिला अध्यक्ष श्याम शिवहरे का किया सम्मान

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, भाजपा ने प्रदेश के सभी जिलों के जिला अध्यक्ष नियुक्त कर दिए हैं जिसके साथ दमोह जिले के नवागत अध्यक्ष श्याम शिवहरे को बनाया गया है। श्याम शिवहरे के अध्यक्ष मनोनीत होने पर जगह-जगह उनका सम्मान समारोह आयोजित किया जा रहा है ,इस तारतम के तहत अहीरवाल सूर्यवंशी जाटव समाज संगठन ने नगवागत भाजपा जिला अध्यक्ष श्याम शिवहरे का सम्मान किया। सम्मान समारोह गंगाराम अहिरवार के निवास पर आयोजित किया गया जिसमें समाज के वरिष्ठों के साथ-साथ युवा वर्ग भी शामिल हुआ । कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के वर्तमान अध्यक्ष प्रीतम सिंह लोधी संजय यादव मंडल अध्यक्ष राजेंद्र चौरसिया रमाकांत बाजपेई युवा मोर्चा अध्यक्ष प्रिंस जैन उपस्थित रहे है। वही अहिरवार सूर्यवंशी जाटव समाज संगठन की ओर से भगवान दास चौधरी, हिम्मत बाबू, गंगाराम अहिरवार, सुनील आनंद, संदीप चौधरी प्यारेलाल भारती, पारस चौधरी पार्षद हेमराज चौधरी एवं समाज के सभी शामिल हुए।

सीएम हेल्पलाइन समीक्षा डीएम ने दिए आवश्यक निर्देश

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ शहडोल, कलेक्टर डॉ केदार सिंह ने आज कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में सीएम हेल्पलाइन में लंबित शिकायतों की समीक्षा की। बैठक में सीएम हेल्पलाईन की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सीएम हेल्पलाईन में प्राप्त शिकायतों को संबंधित अधिकारी गंभीरता से लें तथा शिकायतों के निराकरण करने की कार्यवाही करें। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश कि अधिकारी स्वयं शिकायत को अटेन्ड करें एवं शिकायतों के निराकरण हेतु शिकायतकर्ता से स्वयं बात करें तथा निराकरण करना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसी भी स्थिति में कोई भी शिकायत का निम्न गुणवत्ता से निराकरण न हो। शिकायतों का उच्च गुणवत्ता से निराकरण करें तथा पोर्टल में जानकारी अपलोड करें। बैठक में कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग, खाद्य विभाग, कृषि विभाग, ऊर्जा विभाग,जल संसाधन विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, वित्त विभाग, सहकारिता विभाग सहित अन्य विभाग अंतर्गत लंबित सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों की समीक्षा की तथा निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर सरोधन सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुश्री अंजली रमेश, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सोहागपुर अरविंद शाह सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय गोल्ड कप टूर्नामेन्ट कमिश्नर ने किया उत्साह वर्धन

फाइनल में पहुची यू.बी.आई. स्पोर्ट क्लब मुम्बई की टीम

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ शहडोल, अखिल भारतीय गोल्ड कप फुटबाल टूर्नामेन्ट का शुक्रवार सुभाष स्टेडियम धनपुरी नं0-3 में बैंक आफ बड़ौदा मुम्बई एवं यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया स्पोर्ट क्लब मुम्बई के मध्य सेमीफाइनल खेला गया, जिसमें यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया स्पोर्ट क्लब मुम्बई ने बैंक आफ बड़ौदा मुम्बई को 1-0 से पराजित कर फाइनल में प्रवेश करने वाली दूसरी टीम बन गई तथा कमिश्नर शहडोल संभाग श्रीमती सुरभि गुप्ता एवं पुलिस अधीक्षक राम जी श्रीवास्तव ने मैदान पहुंचकर खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन किया। इस अवसर पर अध्यक्ष नगर पालिका श्रीमती रविंदर कौर छाबड़ा, सहायक संचालक खेल रईस अहमद सहित अन्य अधिकारी व खिलाड़ी उपस्थित थे। साथ ही अखिल भारतीय गोल्ड कप फुटबाल टूर्नामेन्ट का फाइनल मैच आज (शनिवार) को सुभाष स्टेडियम धनपुरी नं0-3 में दोपहर 1.30 बजे से सांई सेन्टर, कोल्लम (केरला) एवं यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया स्पोर्ट क्लब मुम्बई के मध्य खेला जायेगा।

गणेश वैष्णव बने इंडियन कौंसिल आफ प्रेस में छत्तीसगढ़ प्रदेश उपाध्यक्ष

राजीव खरे । सिटी चीफ (छग) बस्तर, इंडियन कौंसिल आफ प्रेस (आई.सी.ओ. पी.) राष्ट्रीय स्तर पर सामाजिक संगठनों और पत्रकारों को एकजुट करने के लिए बनाया गया एक संगठन है।यह पत्रकारों के साथ साथ समाज के हित एवं विकास हेतु कार्य करता है। पत्रकारिता और समाजसेवा समाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। पत्रकारों का कार्य जनता को सही और विश्वसनीय समाचार पहुंचाना है, जिससे समाज को सच्चाई का पता चले और उन्हें सही निर्णय करने की क्षमता मिले। छत्तीसगढ़ राज्य का एक बहुत बड़ा हिस्सा नक्सल प्रभावित है। नारायणपुर जिला भी इसी का भाग है और न सिर्फ़ छत्तीसगढ़ बल्कि पूरे भारत के सबसे नक्सली प्रभावित जिलों में से एक है। वन आच्छादित ऐसे जिलों में रहने वाले ग्रामीणों विशेषकर आदिवासियों की अपनी बहुत सी समस्याएं हैं जिनका शासन के प्रयासों के बाद भी निराकरण नहीं हो सका है। ऐसे पिछले जिले में लोगों की आवाज बनने के लिये इंडियन कौंसिल आफ प्रेस सक्रिय है और वहाँ के जिला अध्यक्ष गणेश वैष्णव संगठन के कार्यों को कुशलता से निभाते आ रहे हैं। कौंसिल के राष्ट्रीय अध्यक्ष एसएन विश्वकर्मा ने प्रदेश अध्यक्ष छत्तीसगढ़ राजीव खरे की अनुशंसा पर ज़िलाध्यक्ष नारायणपुर गणेश वैष्णव को छत्तीसगढ़ प्रदेश उपाध्यक्ष पद पर पदोन्नत किया है । इससे उनके कौशल का लाभ पूरे राज्य को मिल सकेगा । समाजसेवा में पत्रकारिता एक शक्तिशाली टूल हो सकती है, क्योंकि यह समस्याओं की चर्चा कर जनता को जागरूक करने का कार्य करती है और सामाजिक बदलाव की आवश्यकता पर ध्यान केंद्रित करती है। पत्रकार समाज की ताकत और कमजोरियों की आवाज़ बनने में मदद कर सकता है। समाज में बहुत सारे लोगों की अपनी अपनी बहुत सारी समस्याएँ होती हैं पर वे स्वयं इनका निराकरण नहीं कर सकते क्योंकि ज़्यादातर समस्याएँ सरकार या उसके विभागों से संबंधित होती हैं। संवेदनशीलता का अभाव सरकारी तंत्र पर हावी है और इसीलिए ज़्यादातर प्रकरण में या तो पीड़ित की सुनवाई ही नहीं होती या उसका शोषण किया जाता है। असंवेदनशील पुलिस व प्रशासन भी कोई मदद नहीं करता। ऐसे शोषित व निरीह लोगों की मदद के लिये मददगार एक संगठन या आवाज़ ज़रूरी है ताकि पीड़ित की समस्या सही मंच से उठाकर सही अधिकारी तक न सिर्फ़ पहुँचाई जाकर उसका विधिसम्मत निराकरण कराया जा सके। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने उम्मीद की है कि गणेश वैष्णव की इस पदोन्नति से राज्य के शोषित व निरीह लोगों की मदद के लिये संगठन उनकी आवाज़ बनेगा। ताकि पीड़ित की समस्या सही मंच से उठाकर सही अधिकारी तक न सिर्फ़ पहुँचाई जाकर उसका विधिसम्मत निराकरण कराया जा सके

पटवारी की शह और दस एकड़ पर हाँथ साफ़

मंडल में बवंडल, पीएम आवास योजना में लगा ग्रहण, तो कैसे गरीबो का साकार होगा सपना

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ शहडोल, ऊर्जांचल नगरी के नाम से प्रसिद्धी बटोरने वाला चचाई एमपीईबी एक लम्बे समय से बीहड़, जंगल, शासकीय भूमि घोटाले की इबारत लिखे जा रहा है जिसकी गूंज अब संभागीय मुख्यालय तक गूंज रही है दरअसल शुक्रवार शहडोल कमिश्नर कार्यालय की दहलीज में पहुंचे बैगाओं ने आप बीती बतलाते हुए कहा की देश के लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हर तपके को पक्का घर का सपना दिखाया है, और आज हम ही पीएम आवास से महरूम है, जबकि दूसरी ओर पीएम आवास मामले में होता जमीनी क्रियान्वयन धरातल में देखने को लगातार मिल रहा है लेकिन शहडोल आदिवासी बाहुल्य इलाके में मानो बैगा, आदिवासियो के हक़ में कोई न कोई डांका डाल ही रहा है, मामले में इस शिकायत को लेकर भारी संख्या में पहुंचे बैगाओं ने साफ़ कर दिया है, इनके साथ बेजा धोखाधड़ी की गई है, लिखित शिकायत के मुताबिक ग्राम पंचायत केल्हौरी के भूमि घोटाला मामले का विरोध करने जुटे बैगा आदिवासियो ने कमिश्नर कार्यालय में भूमि हुआ बेजा भूमि घोटाला उजागर हुआ, यह घोटाला किसी और ने नहीं चचाई पवार हाउस में तात्कालिक पदस्थ सेवानिवृत कर्मियों द्वारा किया गया, शासकीय भूमि में भूमाफिया द्वारा कब्जे और जुर्माना कबूलने वाली परम्परा आधुनिक हो गई है। अब माफिया पहले सरकारी भूमि पर कब्जा करने के लिए उस भूमि में झोपड़ा बनकर रहता है, पटवारी, आरआईआई की सहमति से रिकॉर्ड में हेराफेरी करते हुए पत्रो का हक़ डकार जाता है, ठीक ऐसा ही मण्डल की भूमि के इर्द गिर्द हुआ

बबंडल में सरकारी भूमि तलाशने से नहीं मिल रही है, कारण रसूखदारों के आलीशान मकान और दबंगो की मिलकियत बनी सरकारी भूमि अब एक अदद पीएम आवास का सहारा नहीं बन पा रही है, एक विशिष्ठ ग्राम पंचायत केल्हौरी की खसरा नंबर 1595 में हुए अवैध तरीके से निर्मित बेजा निर्माण कार्य महज पटवारी की कृपादृष्टि है जिन्होंने शासकीय प्रदत्त शक्तियों का दुरूपयोग करते हुए कौड़ियों के भाव चहेते को शासकीय जमीन बाँट दी, इसमें तात्कालिक पटवारी रूपनारायण सिंह तोमर का भी नाम सामने आया है, जिसके लिए बीते 22 सितम्बर 2023 की लिखित दी गई शिकायत में कहा है की पटवारी को लगभग तीन वर्ष से अधिक हो चुका लेकिन तबादल तस से मस नहीं हो रहा है, दरअसल पटवारी का इस इलाके में मोटी रकम लेकर वैध को अवैध और अवैध को वैध करने का जुगाड़तंत्र पैर पसार चुका है इस शिकायत में शिकायतकर्ता ने उल्लेख है कि रिकॉर्ड के मुताबिक दर्ज खसरा नंबर 1595 में लगभग 10 एकड़ भूमि दर्ज है एवं यह तमाम भूमि गोचर की भूमि है इस भूमि पर दबंगो द्वारा कब्ज़ा करने मामले हुई शिकायत के आधार पर हुई कार्यवाही में दिनांक 08 जनवरी 2023 को बेदखली का जारी आदेश भी जारी हुआ था लेकिन भूमाफिया कि तिकड़ी का जारी खेल में चला टेबल मैनेजमेंट ने करोडो रूपए की शासकीय भूमि में सेंध लगाई है, आश्चर्यजनक बात यह भी है कि उक्त जमीनों वर्तमान दिनांक में भी लगातार निर्माण कार्य जारी है, जिसमे स्थानीय पटवारी कि भूमिका पर सवाल उठ रहे है, नागरिको के मुताबिक पटवारी का इस चचाई इलाके से येपि तबादला नहीं किया गया तो इस इस इलाके कि एक भी सरकारी एवं आदिवासी भूमि सुरक्षित नही रहेगी ना ही एक इंच पीएम आवास को भटक रहे लोगो के आवास का सपना सच होगा। सूत्रों के हवाले से खबर है कि मामले में एक समाजसेवी संगठन ने पूरे मामले को न्यायलय के समक्ष रखकर शासकीय, आदिवासी एवं वन भूमि से कब्ज़ा हटाए जाने के लिए चरणबद्ध तरीके से जनहित में कार्य करेगा ।

मन्दसौर पुलिस द्वारा ऑपरेशन गुम मोबाईल अभियान संचालित कर लाखो रूपये किमत के गुम मोबाईल फोन को खोज निकाला

आम नागरिको के कीमती गुम मोबाईल फोन सुपूर्द कर मन्दसौर पुलिस ने नागरिको को दिया नव वर्ष का उपहार

17,20,000/- रूपये कीमत के कुल 97 मोबाईल फोन खोज कर किये गए सुपूर्द

मंदसौर वर्तमान परिवेश में आम जन द्वारा अपने महंगे एवं कीमती मोबाईल फोन स्वयं की लापरवाही अथवा अतिव्यस्तता या अन्य किसी कारण या भूलवश गुम हो जाते हैं । ऐसे प्रकरणों में पीड़ीत को आर्थिक हानी तो होती ही हैं साथ ही साथ उसके साथ सायबर अपराध घटीत होने का भी अंदेशा रहता हैं । इस प्रकार की घटनाओं में अप्रत्याशित वृद्धि को दृष्टिगत रखते हुए अभिषेक आनन्द, पुलिस अधीक्षक मंदसौर द्वारा गौतम सोलंकी अति. पुलिस अधीक्षक मन्दसौर के निर्देशन में गुम मोबाईल फोन की पतारसी कर उनके वास्तविक स्वामित्व को हस्तांतरित करने हेतु विशेष मार्ग दर्शन एवं दिशा निर्देशन में ऑपरेशन गुम मोबाईल नामक विशेष अभियान संचालित कर टीम का गठन किया गया । वरीष्ठ अधिकारियों के दिशा निर्देशन में सायबर सेल् टीम के द्वारा गुम मोबाईल फोन के प्राप्त आवेदनों पर त्वरित रूप से कार्यवाही प्रारम्भ करते हुए तकनीकी विश्लेषण के आधार पर जानकारी एकत्रण प्रारम्भ किया गया । मंदसौर पुलिस की सायबर टीम के द्वारा लगभग तीन माह में संचालित विशेष अभियान के अंतर्गत 17,20,000/- कीमत के कुल 97 मोबाईल फोन दस्तयाब कर उनके वास्तविक स्वामीत्व को हस्तांतरित किये गए । ऑपरेशन गुम मोबाईल विशेष अभियान के दौरान मंदसौर पुलिस की सायबर टीम के द्वारा अपने विशेष प्रयासो एवं तकनीकी विश्लेष्ण के परिणामत: विगत तीन माह से अनवरत संचालित ऑपरेशन के तहत् गुम हुए कुल 96 मोबाईल फोन की पतारसी कर आज दिनांक 17.01.2025 को जिला पुलिस कंट्रोल रूम मंदसौर पर अभिषेक आनन्द पुलिस अधीक्षक मन्दसौर द्वारा उनके वास्तविक स्वामीत्व को सुर्पुद किये गये पीड़ित व्यक्ति को उनके गुम हुये महंगे मोबाईल पुनः प्राप्त होने मोबाईल स्वामियों को मिली खुशी से मंदसौर पुलिस के विशेष अभियान ऑपरेशन गुम मोबाईल का संचालन सफल हुआ । मोबाईल वितरण के उक्त आयोजन के साथ ही पुलिस अधीक्षक एवं अति. पुलिस अधीक्षक द्वारा आम नागरिको को सायबर अपराध विशेषकर सायबर फ्राड के संबंध में जानकारी प्रदाय कर सायबर फ्राड से बचने हेतु जागरूक होने एवं उनसे बचाव हेतु विशेष सावधानियो बरती जाने हेतु अवगत कराते हुए आवश्यक सुझाव दिये गये ।

नोट - भारत सरकार द्वारा दूरसंचार, सूचना एवं प्रोद्योगिकी विभाग के सहयोग से आम नागरिको के लिये अपने गुम/चोरी हुए मोबाईल की शिकायत करने एवं मोबाईल की पतारसी हेतु CEIR(central equipment identity register) पोर्टल प्रारम्भ किया गया हैं जिसके माध्यम से आप स्वयं अपने गुम/चोरी मोबाईल फोन की शिकायत दर्ज कर अद्यतन स्थिति की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं ।

मंदसौर पुलिस की अपील

मन्दसौर जिले की समस्त जनता एवं जन सामान्य से विशेष अपील की जाती हैं कि यदि आपको किसी स्थान से अज्ञात या लावारित मोबाईल फोन मिलता हैं तो अविलंब उसके स्वामित्व की जानकारी प्राप्त कर उसे सूचीत कर मोबाईल सुपूर्द करने का प्रयत्न करे अथवा नजदीकी पुलिस थाने, कन्ट्रोल रूम या सायबर सेल में जमा करा कर एक जिम्मेदार एवं सभ्य नागरिक होने का परिचय देवे ।

सराहनीय भूमिका निर्वाहन करने वाली पुलिस टीम - उक्त सम्पूर्ण कार्यवाही में सायबर सेल टीम सहा.उप.निरी. (एम.) आशिष शर्मा, प्र.आर. आशिष बैरागी, प्र.आर. मुजफ़्फरउद्दीन , आर. मनीष बघेल, आर. गौरव सिंह सिकरवार, एवं आर. अमित पांचाल थाना कोतवाली, आर. मनीष थाना शामगढ़, आर. अनिल थाना भावगढ़ आर. चन्द्रपाल सिंह थाना अफजलपुर, आर. शाकीर पुलिस कन्ट्रोल रूम मंदसौर का विशेष सराहनीय एवं महती भूमिका रही ।

छत्तीसगढ़ में सीबीडीए की पहल व प्रयासों से नगरीय ठोस अवशिष्ट से कंप्रेस्ड बायो गैस संयंत्र की स्थापना हेतु नगर पालिक निगमों और भारत सरकार के पीएसयू के साथ हुए त्रिपक्षीय करार

राजीव खरे । सिटी चीफ

(छग)रायपुर, नगरीय ठोस अवशिष्ट बढ़ती शहरीकरण और जनसंख्या के कारण एक गंभीर समस्या बन चुकी है। इसका सही प्रबंधन न होने से प्रदूषण, स्वास्थ्य समस्याएं और पर्यावरणीय क्षति होती है। ठोस अवशिष्ट को कंप्रेस्ड बायो गैस (CBG) में परिवर्तित करना एक कारगर समाधान है। बायो गैस संयंत्रों में इन अवशिष्टों से ऊर्जा उत्पन्न की जाती है, साथ ही उच्च गुणवत्ता वाली जैविक खाद भी प्राप्त होती है। यह प्रक्रिया न केवल अपशिष्ट प्रबंधन में मदद करती है, बल्कि ऊर्जा और कृषि क्षेत्र के लिए उपयोगी संसाधन भी प्रदान करती है। यह पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। छत्तीसगढ़ राज्य में नगरीय ठोस अवशिष्ट से निपटने के लिये विष्णुदेव सरकार कृतसंकल्प है और इसी कड़ी में वहाँ के उप मुख्यमंत्री अरुण साव के मार्गदर्शन में राज्य की नामित ऐजेंसी सीबीडीए पूरी लगन से प्रयासरत है। अपने सतत प्रयासों को सफलता का अमलीजामा पहुँचाते हुए आज राज्य में 6 नगर पालिक निगमों के साथ भारत सरकार के 2 पीसीयू व सीबीडीए के बीच त्रिपक्षीय करार किये गए।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय तथा उपमुख्यमंत्री अरुण साव की गरिमामयी उपस्थिति में इन तीनों ऐजेंसियों के प्रतिनिधियों ने इन करार पत्र पर हस्ताक्षर किये। इस संबंध में पूरी जानकारी देते हुए सीबीडीए के सीईओ सुमित सरकार ने बताया कि नगरपालिक निगम अंबिकापुर, रायगढ़ और कोरबा के साथ सीबीडीए एवं भारत सरकार के पीएसयू गैस अथॉरिटी आफ इंडिया लिमिटेड (GAIL) के बीच 3 संयंत्रों की स्थापना के लिये आज करार किया गया । जबकि नगरपालिक निगम बिलासपुर , धमतरी और राजनांदगाँव के साथ सीबीडीए एवं भारत सरकार के पीएसयू भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (BPCL) के बीच 3 संयंत्रों की स्थापना के लिये आज करार किया हुआ। उन्होंने बताया कि इन 6 नगर पालिक निगमों से प्रतिदिन लगभग 350 टन ठोस नगरीय अवशिष्ट तथा लगभग 500 टन अन्य बायोमास उपलब्ध कराया जाएगा । इससे प्रतिदिन लगभग 70 टन कंप्रेस्ड बायोगैस हर संयंत्र से उत्पादित होगी जिसकी कीमत क़रीब 6 करोड़ प्रतिवर्ष होगी । इस परियोजना की अनुमानित लागत लगभग 600 करोड़ आएगी । छत्तीसगढ़ सरकार संयंत्रों की स्थापना के लिये भूमि उपलब्ध कराएगी ।इस परियोजना से लगभग 2.0 लाख मानव दिवस का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से रोज़गार सृजित होगा। एवं जैविक खेती को भी लाभ मिलेगा ।इससे कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी, पर्यावरण भी स्वच्छ होगा और राज्य नेट ज़ीरो एमीशन की ओर बढ़ेगा । ग़ौरतलब है कि इसके पूर्व भी सीबीडीए की पहल पर नगर निगम रायपुर व भिलाई के साथ सीबीडीए एवं भारत पेट्रोलियम के बीच कंप्रेस्ड बायोगैस संयंत्रों की स्थापना हेतु त्रिपक्षीय करार मुख्यमंत्री विष्णु देव साय तथा उपमुख्यमंत्री अरुण साव की गरिमामयी उपस्थिति में किये गए थे ।जिनमें से भिलाई के लिये भूमि उपलब्ध करा दी गई है तथा रायपुर के लिये विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन तैयार किया जा चुका है। इस तरह राज्य के सभी नगर पालिक निगमों में भारत सरकार की सतत योजना के तहत कंप्रेस्ड बायोगैस संयंत्र स्थापित कर नगरीय अवशिष्ट को हरित ईंधन में बदल कर छत्तीसगढ़ Waste to Energy की परिकल्पना को साकार करने वाला पहला राज्य बनेगा । आज एमओयू निष्पादन के इस अवसर पर छत्तीसगढ़ सरकार के सुबोध कुमार सिंह प्रमुख सचिव, बसव राजू सचिव सहित नगर पालिक निगमों तथा गैस अथारिटी इंडिया लिमिटेड तथा भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन के कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

हिंदूओं के आस्था का केंद्र अयोध्या में श्रीरामलला के प्राण प्रतिष्ठा की प्रथम वर्षगांठ, जावद में हिंदूवादी नेता नारायण सोमानी ने बैंगनपुरा स्थित राम-कुटी एवं समाजसेवी पियुष सोलीवाल ने नीमच रोड स्थित निवास पर लगाए भगवा ध्वज

जावद। हिंदूओं का आस्था केंद्र अयोध्या में भगवान श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के 1 वर्ष पूर्ण होने की प्रथम वर्षगांठ पर अयोध्या सहित पूरे देश में उत्सव महोत्सव के रूप में मनाया गया। नगर में जगह, जगह घरो पर भगवा ध्वज एवं मंदिरों में भजन-कीर्तन, महाआरती करके इस पल को यादगार किया। नगर में धार्मिक, सामाजिक क्षेत्र में अग्रणी रहने वाला वार्ड नम्बर 2 बैंगनपुरा निवासी जावद प्रेस क्लब अध्यक्ष एवं हिंदूवादी नेता नारायण सोमानी ने अपने निज निवास राम-कुटी पर भगवा ध्वज एवं तीन दिनों तक दीपक लगाकर खुशियां मनाकर इस महायज्ञ में आहुति दी। अध्यक्ष नारायण सोमानी नगर एवं आसपास क्षेत्र में होने वाले धार्मिक, सामाजिक कार्यक्रम में बढ-चढकर भाग लेकर अग्रणी रहते है। नीमच रोड कृषि मंडी के सामने समाजसेवी पियुष सोलीवाल ने भी अपने निज निवास पर भगवा ध्वज लगाकर उत्सव मनाया। आपको बतादे कि

आस्था का केंद्र अयोध्या में श्रीराम लला मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा को 1 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष पर जावद नगर के सभी राम भक्तों द्वारा रात्रि 8 बजे बस स्टैंड स्थित श्री बटकेश्वर महादेव मंदिर से तीन दिन रामधुन का भव्य आयोजन किया इसके अंतगर्त विशाल रामधुन नगर के प्रमुख मार्गो से निकलकर श्री परकोटा हनुमान मंदिर पहुंची जहां महाआरती करके प्रसाद वितरित किया था।

प्रेस क्लब के जिलाध्यक्ष ने साथियो के साथ कन्नौद एडिशनल एस पी को नव वर्ष का कैलेंडर भेट किया

कन्नौद स्थानीय नवागत एडिशनल एसपी, एच, एन, बाथम से रेस्ट हाऊस पर प्रेस क्लब ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट के देवास जिले के जिलाध्यक्ष राजेन्द्र योगी के नेतृत्व मै भेट कर नव वर्ष का कैलेंडर विमोचन कराया । इसके बाद बाथम से जिले की कानून ब्यवस्था पर विस्तृत चर्चा की जिसमे बाथम ने बताया की हमारे जिला पुलिस अधीक्षक पुनीत गहलोत ने जिले मे कुछ समय अपनी सेवा मै जिले के अपराधिक रेकार्ड का गंभीरता से मनन किया सभी थाना क्षैत्रो का भ्रमण कर जो आवश्यक सुधार की आवश्यकता थी उसको नय सिरे से अधिनस्थ अधिकारियो की बैठक आहत कर कानून ब्यवस्था पर आवश्यक निर्देश दिए उनका पालन हो रहा है या नही उसपर पर भी अपने विश्वसनीय सूत्र लगाये और नजर बनाने का काम किया जिससे विभाग मे एक नई पहचान बनना निश्चित हुई परिणाम जनमानस के सामने है। हम हमारे कस्तान के मार्गदर्शन मै कदम बढा रहे है। उसके आशाजनक परिणाम आये है। एडिशनल एस पी, बाथम ने आये पत्रकारो से भी अपेक्षा की कि आप पुलिस के साथ रचनात्मक तरिको से जुडे जंहा कोई त्रुटि नजर आये आप हमारे संज्ञान मे लाये हम उसपर भी सुधार की आवश्यकता होगी तो अवश्य करेगे। आपका सहयोग भी हमारी सफलता हासिल करा सकता है। नेगेटिव सोच की अपेक्षित सकरात्मक सोच रखे और हमारा सहयोग करे। हम आपके सुझाव का स्वागत करते है। श्री बाथम ने उपस्थित पत्रकारो से खुलकर चर्चा की जिसमे अनेक सुझाव पर अपनी सहमति के साथ कस्तान सहाब के समक्ष रखने की बात की है। अंत मे श्री बाथम का स्नेहिल आभार प्रकट करते हुए आशस्बत किया। नव वर्ष 2025 का कैलेंडर का विमोचन करते समय प्रेस क्लब ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट जिला अध्यक्ष राजेन्द्र योगी असेंबली ऑफ वर्किंग जनरलिस्ट यूनियन के जिलाध्यक्ष पंडित प्रमोद मेहता एवं रामकरण यादव

कन्नौद , जिला सचिव जितेन्द्र सींगी ,डी एल चौहान प्रदेश सचिव ,डा अरविंद ठाकुर ब्लॉक अध्यक्ष बागली आदि क्रांतिकारी पत्रकार उपस्थित थे।

कृषि मशीनीकरण के लिए कर्नाटक ने केंद्र सरकार से मांगा फंड, शिवराज सिंह चौहान से मिले मंत्री

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान शनिवार को कर्नाटक दौरे पर हैं। कर्नाटक के कृषि मंत्री चालुवर्यस्वामी ने शनिवार को बंगलूरू में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात की। इस मुलाकात में कर्नाटक के ग्रामीण विकास मंत्री प्रियांक खरगे और राय के शीर्ष अधिकारी भी मौजूद रहे। इस बैठक में कर्नाटक सरकार के मंत्रियों ने केंद्रीय कृषि मंत्री से राय के लिए फंड की मांग की ताकि किसानों का मशीनीकरण किया जा सके।

किसानों को यंत्रीकरण के लिए सब्सिडी देगी कर्नाटक सरकार

बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 4 लाख से अधिक घर आवंटित किए जा रहे हैं। इस वित्तीय वर्ष में, हमने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत कर्नाटक को लगभग 7.5 लाख घर दिए हैं। कर्नाटक ने यंत्रीकरण योजनाओं के लिए अधिक निधि की मांग की है, जिसमें किसानों को कृषि यंत्रीकरण के लिए सब्सिडी दी जाए। उन्होंने कहा, मैंने उनसे पहले जारी किए गए फंड का उपयोग करने के लिए कहा है और हम अतिरिक्त फंड जारी करने के लिए भी काम करेंगे।

मनरेगा में बदलाव भी सुझाए

वहीं कर्नाटक के ग्रामीण विकास मंत्री प्रियांक खरगे ने बताया कि राय ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के नियमों में जरूरी बदलाव के संबंध में सुझाव दिया है। हमने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) और पंचायती राज और ग्रामीण विकास से संबंधित अन्य मुद्दों के साथ कुछ तकनीकी सुधार का भी अनुरोध किया है। कृषि मंत्री ने आश्वासन दिया है कि वे इस पर गौर करेंगे। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान आज कर्नाटक में विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। वे शिवमोगा में भाजपा कार्यकर्ताओं और किसानों से बात करेंगे। वे शिवमोगा में सागर रोड पर पीईएसआईटी कॉलेज में कृषि स्टार्टअप की प्रदर्शनी का भी उद्घाटन करेंगे। बाद में वह सागर सर्किट हाउस में पार्टी कार्यकर्ताओं और किसानों से बातचीत करेंगे।

चीन सीमा पर भारतीय सेना ने अधिकारियों को दिया 'संभव'

नई दिल्ली । भारत और चीन के बीच डेपसांग और डेमचोक क्षेत्रों में पेट्रोलिंग समझौता को लेकर सहमति बन चुकी है। इस समझौते के लिए दोनों देशों के बीच अक्तूबर में अंतिम दौर की वार्ता हुई थी। इस वार्ता के दौरान, भारतीय सेना ने 'संभव' नामक स्मार्टफोन का इस्तेमाल किया था, जिसे अब सेना के अधिकारियों को बड़ी संख्या में दिया गया है।

30 हजार फोन अधिकारियों को दिए गए रक्षा सूत्रों के अनुसार, करीब 30,000 संभव फोन अधिकारियों को सुरक्षित संचार के लिए दिए गए हैं, जिन पर विशेष एप्स हैं। इन एप्स का इस्तेमाल महत्वपूर्ण सूचनाएं साझा करने के लिए किया जा सकता है। यह परियोजना पिछले साल शुरू की गई थी। इस परियोजना के लिए इस्तेमाल किए गए हैंडसेट में एम-सिग्मा जैसे एप्लिकेशन हैं, जिन्हें मैसेजिंग और दस्तावेजों, तस्वीरों और वीडियो को साझा करने के लिए लोकप्रिय व्हाट्सएप एप्लिकेशन के समकक्ष माना जाता है।

महत्वपूर्ण दस्तावेजों लीक होने से रुकेंगे सेना को उम्मीद है कि एयरटेल और जियो नेटवर्क पर इस्तेमाल होने वाले इन फोनों से महत्वपूर्ण दस्तावेजों के लीक को रोका जा सकेगा। भारतीय सेना के कई अधिकारी सूचना और दस्तावेज साझा करने के लिए पहले व्हाट्सएप और अन्य एप्स का इस्तेमाल कर रहे थे, जिससे उनकी सूचनाएं सार्वजनिक रूप से लीक हो रही थीं।

महत्वपूर्ण अधिकारियों के नंबर भी सेव इस फोन में सभी महत्वपूर्ण पदाधिकारियों के नंबर भी हैं और अधिकारियों को नंबर सेव करने की जरूरत नहीं है।

पूरी तरह एन्क्रिप्टेड है संभव भारतीय सेना ने सुरक्षित संचार के लिए 'एंड-टू-एंड सिक्योर मोबाइल इकोसिस्टम' विकसित किया है। सिक्योर आर्मी मोबाइल भारत वर्जन (संभव) पूरी तरह से एन्क्रिप्टेड है और समकालीन 5जी तकनीक पर आधारित है।

67 साल के संत ने पहना 6 करोड़ रुपये का सोना

प्रयागराज । प्रयागराज के महाकुंभ मेला 2025 में श्रद्धालुओं को अपनी ओर आकर्षित करने वाले कई अद्भुत साधु-संतों में एक प्रमुख नाम है, गोल्डन बाबा का। एसके नारायण गिरी जी महाराज, जिन्हें गोल्डन बाबा के नाम से जाना जाता है, इन दिनों कुंभ मेला में चर्चा का विषय बने हुए हैं। उनका व्यक्तित्व और अनोखा अंदाज श्रद्धालुओं को अपनी ओर खींचता है।

गोल्डन बाबा का जन्म केरल में हुआ था, लेकिन वर्तमान में वे दिल्ली में रहते हैं। उन्होंने निरंजनी अखाड़े से जुड़कर आध्यात्मिक जीवन की शुरुआत की। गोल्डन बाबा की विशेष पहचान उनके शरीर पर पहने गए सोने के आभूषणों से है। वे लगभग 4 किलो सोना पहनते हैं, जिनकी कीमत लगभग 6 करोड़ रुपये बताई जा रही है। उनका हर आभूषण, चाहे वह अंगूठी हो, कंगन हो, घड़ी हो या हाथ में सोने की छड़ी, सबमें एक आध्यात्मिक और साधना से जुड़ी हुई गहरी कहानी छिपी हुई है। उनकी छड़ी पर देवी-देवताओं के लॉकेट लगे होते हैं, जो उनके साधना और धार्मिक जीवन का प्रतीक माने जाते हैं।

बाबा का कहना है कि ये आभूषण उनकी साधना से जुड़ी हुई हैं और हर गहने में एक आध्यात्मिक शक्ति समाई हुई है। वे इसे दिखावे के रूप में नहीं पहनते, बल्कि यह उनके आस्थाओं, गुरु के प्रति श्रद्धा और साधना का प्रतीक हैं। उनका मानना है कि ये आभूषण न केवल उनके आध्यात्मिक जीवन का हिस्सा हैं, बल्कि इनकी ऊर्जा उन्हें उच्च साधना की दिशा में प्रेरित करती है।

गोल्डन बाबा ने अपने आध्यात्मिक जीवन की शुरुआत निरंजनी अखाड़े के प्रमुख रवींद्र पुरी महाराज से दीक्षा लेकर की थी। उन्होंने शिक्षा और धर्म के संगम पर जोर दिया है। उनका मानना है कि धर्म और शिक्षा दोनों का सामंजस्य समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकता है। वे धार्मिक शिक्षा के साथ-साथ समाज के विकास के लिए काम कर रहे हैं और समाज में भक्ति, साधना, और ज्ञान का संदेश फैला रहे हैं।

गोल्डन बाबा का जीवन न केवल एक साधु का जीवन है, बल्कि वह एक प्रेरणा भी है। वे कहते हैं कि साधना के बिना कोई भी आध्यात्मिक उन्नति संभव नहीं है, और वे अपने आभूषणों के माध्यम से लोगों को यह समझाना चाहते हैं कि हर चीज़ का एक गहरा आध्यात्मिक अर्थ होता है। कुंभ मेला में गोल्डन बाबा की उपस्थिति लोगों को उनके साधना के प्रति आस्था और प्रेरणा देती है। उनके पास छह सोने के लॉकेट हैं, जिनसे लगभग 20 मालाएं बन सकती हैं। उनका मोबाइल भी सोने की परत में ढका हुआ है।

श्रद्धालु उन्हें 'गोल्डन बाबा' के नाम से जानते हैं और उनके पास आशीर्वाद लेने के लिए बड़ी संख्या में पहुंचते हैं। गोल्डन बाबा का मानना है कि उनका यह सोने से सजा रूप केवल एक भव्यता नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक जीवन की ओर संकेत करता है। गोल्डन बाबा की छवि कुंभ मेले में एक विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई है, जो न केवल उनके आभूषणों के कारण, बल्कि उनके आध्यात्मिक संदेश और साधना के प्रति प्रतिबद्धता के कारण भी लोगों के दिलों में विशेष स्थान बना चुकी है। उनके व्यक्तित्व में अध्यात्म, भक्ति और साधना का अद्भुत समागम है, जो समाज को एक सकारात्मक दिशा की ओर प्रेरित करता है।

आधार कार्ड से पर्सनल लोन लेना हुआ बहुत आसान... बिना गारंटी पाएं ये बड़ी सुविधा

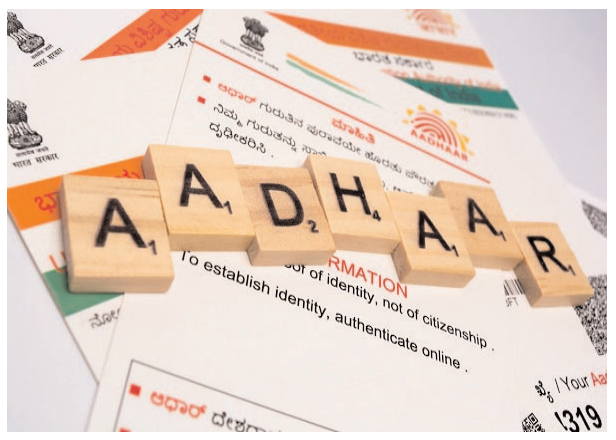

नई दिल्ली । आधार कार्ड अब हर भारतीय नागरिक के लिए एक बेहद अहम दस्तावेज बन चुका है। पहचान और पते का प्रमाण देने के अलावा, यह बैंक खाता खोलने, पैन कार्ड बनवाने और रोजगार हासिल करने जैसी कई प्रक्रियाओं में जरूरी है। अब यह पर्सनल लोन लेने की प्रक्रिया को भी बेहद आधार कार्ड अब हर भारतीय नागरिक के लिए एक बेहद अहम दस्तावेज बन चुका है। पहचान और पते का प्रमाण देने के अलावा, यह बैंक खाता खोलने, पैन कार्ड बनवाने और रोजगार हासिल करने जैसी कई प्रक्रियाओं में जरूरी है। अब यह पर्सनल लोन लेने की प्रक्रिया को भी बेहद आसान बनाता है। आधार कार्ड की मदद से आप ट्रैवल, मैरिज, मेडिकल, एजुकेशन और लोन समेकन जैसे कई प्रकार के पर्सनल लोन के लिए आवेदन कर सकते हैं। 2 लाख रुपये तक के लोन के लिए आवेदन प्रक्रिया आसान और कम कागजी कार्यवाही के साथ पूरी होती है।

आधार कार्ड पर लोन के फायदे

कोई जमानत नहीं- यह लोन अनसिक्योर होता है, जिसके लिए किसी संपत्ति को गिरवी रखने की जरूरत नहीं होती। सही डॉक्यूमेंटेशन- केवल आधार कार्ड से पहचान और पते का प्रमाण हो जाता है, जिससे अन्य दस्तावेजों की आवश्यकता कम हो जाती है।

डिजिटल प्रक्रिया- ऑनलाइन आवेदन से मंजूरी और वितरण प्रक्रिया तेजी से पूरी होती है।

बेहतर पहुंच- सीमित वित्तीय दस्तावेज रखने वाले लोग भी आसानी से लोन के लिए आवेदन कर सकते हैं।

लोन के लिए पात्रता और आवश्यक दस्तावेज -दस्तावेज- पैन कार्ड, आय प्रमाण, पिछले 3-6 महीने का बैंक स्टेटमेंट, और आईटीआर (स्व-नियोजित व्यक्तियों के लिए)।

-पात्रता- क्रेडिट स्कोर, आय, और बैंक के दिशा-निर्देशों के आधार पर पात्रता तय की जाती है।

लोन आवेदन प्रक्रिया ऑनलाइन आवेदन बैंक या एनबीएफसी की वेबसाइट या ऐप के जरिए आवेदन करें।

पात्रता जांचें बैंक के पात्रता कैलकुलेटर का उपयोग करके अपनी पात्रता की समीक्षा करें।

दस्तावेज अपलोड करें आधार कार्ड, पैन कार्ड, और अन्य जरूरी दस्तावेज अपलोड करें।

स्वीकृति और वितरण आवेदन मंजूर होने के बाद लोन तुरंत वितरित किया जाता है।

ब्याज दर और फीस लोन की ब्याज दरें क्रेडिट स्कोर, आय और क्रेडिट इतिहास पर निर्भर करती हैं। आवेदन से पहले विभिन्न बैंकों और एनबीएफसी की ब्याज दरों और प्रोसेसिंग फीस की तुलना करना फायदेमंद होता है।

आधार कार्ड पर लोन एक आसान और तेज विकल्प है, खासतौर पर उन लोगों के लिए जिन्हें तुरंत पैसों की जरूरत है। इससे जुड़ी प्रक्रियाएं डिजिटल होने के कारण अब पहले से अधिक सुगम हो गई हैं।

डोनाल्ड ट्रंप सोमवार को लेंगे राष्ट्रपति पद की शपथ, 40 साल बाद इंडोर होगा समारोह

वाशिंगटन। कड़ाके की ठंड के कारण अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का शपथग्रहण यूएस कैपिटल के बाहर खुली जगह के बजाय यूएस कैपिटल के अंदर कैपिटल रोटुंडा (हाल) में आयोजित किया जाएगा। ट्रंप सोमवार को दूसरे कार्यकाल के लिए राष्ट्रपति पद की शपथ लेंगे।

1985 में रोनाल्ड रीगन का शपथ ग्रहण भी कैपिटल रोटुंडा में हुआ था ट्रंप ने अपने इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म ट्रुथ सोशल पर शुक्रवार को कहा, वाशिंगटन, डीसी. में तापमान रिकॉर्ड न्यूनतम स्तर पर पहुंच सकता है। कड़ाके की ठंड के कारण मैंने शपथग्रहण समारोह यूनाइटेड स्टेट्स कैपिटल रोटुंडा में कराने का आदेश दिया है। 1985 में रोनाल्ड रीगन का शपथ ग्रहण भी कैपिटल रोटुंडा में हुआ था।

कैपिटल रोटुंडा कैपिटल बिल्डिंग में गुंबद के नीचे है। यह प्रतिनिधि सभा और सीनेट कक्षों की ओर जाने वाले गलियारों से जुड़ा हुआ है। ट्रंप ने कहा, रविवार दोपहर कैपिटल वन एरेना में विजय रैली सहित अन्य सभी कार्यक्रम पहले के कार्यक्रम के अनुसार होंगे। लोग समारोह को कैपिटल वन एरेना के अंदर स्क्रीन पर देख सकते हैं।

मां की दी गई बाइबिल के साथ शपथ लेंगे ट्रंप शपथ ग्रहण समारोह समिति ने शुक्रवार को घोषणा की कि नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ट्रंप राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के लिए उस बाइबल का उपयोग करेंगे जो उन्हें उनकी मां ने दी थी। इसके साथ ही वह लिंकन बाइबल का भी उपयोग करेंगे। 1955 में जमैका, न्यूयार्क में संडे चर्च प्राइमरी स्कूल से स्नातक होने के अवसर पर ट्रंप को यह बाइबिल मिली थी। इसके साथ ही इस समारोह के लिए लिंकन बाइबिल का भी उपयोग किया जाएगा।

ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल के शपथ ग्रहण में इसका उपयोग किया था लिंकन बाइबिल का उपयोग पहली बार चार मार्च, 1861 को 16वें राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन के शपथ ग्रहण के लिए किया गया था। तब से इसका उपयोग केवल तीन बार किया गया है। बराक ओबामा ने दो बार इसका उपयोग किया, वहीं ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल के शपथ ग्रहण में इसका उपयोग किया था। वहीं नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति जेडी वेंस पारिवारिक बाइबिल का उपयोग करेंगे जो उनकी परदादी की है।

शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होंगे नीता, मुकेश अंबानी जानकारी अनुसार ट्रंप के शपथग्रहण समारोह में रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी अपनी पत्नी नीता अंबानी के साथ शिरकत करेंगे। एक अधिकारी ने बताया, मुकेश और नीता अंबानी 18 जनवरी को वाशिंगटन डीसी पहुंचेंगे। शपथ ग्रहण कार्यक्रम से एक रात पहले नीता और मुकेश अंबानी ट्रंप के साथ कैंडललाइट डिनर में भाग लेंगे। अंबानी दंपती रिसेप्शन में भी शिरकत करेंगे।

क्वाड मंत्रियों की बैठक बुलाएगा ट्रंप प्रशासन ट्रंप के शपथग्रहण के एक दिन बाद 21 जनवरी को क्वाड देशों ङ्क आस्ट्रेलिया, भारत, जापान और अमेरिका के विदेश मंत्रियों की बैठक होगी। तब तक कांग्रेस द्वारा नए अमेरिकी विदेश मंत्री के रूप में मार्को रूबियो की पुष्टि होने की उम्मीद है और सोमवार शाम को उनके शपथ लेने की संभावना है।मीडिया रिपोर्ट में शुक्रवार को कहा गया कि भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर, आस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री पेनी वोंग और जापानी विदेश मंत्री ताकेशी इवाया शपथग्रहण समारोह में अपने-अपने देशों का प्रतिनिधित्व करेंगे। पोलिटिको ने बताया, क्वाड मंत्रिस्तरीय बैठक का उद्देश्य यह संकेत देना है कि नए प्रशासन के तहत हिंद- प्रशांत के लिए अमेरिकी प्रतिबद्धता नहीं बदलेगी।

गाजा में युद्धविराम समझौते को इजरायली सुरक्षा कैबिनेट ने दी मंजूरी

बंधकों-कैदियों की होगी रिहाई

तेल अवीव। इजरायली सरकार ने हमास के साथ युद्धविराम और बंधक रिहाई समझौते को शनिवार को मंजूरी दे दी है। एक रिपोर्ट के अनुसार, 24-8 के वोट से कैबिनेट ने सौदे को मंजूरी दे दी। सौदा रविवार को प्रभावी होगा। यह समझौता गाजा में युद्धविराम के पहले चरण की शुरुआत करेगा और इजरायली बंधकों और फिलिस्तीनी कैदियों दोनों की रिहाई की सुविधा प्रदान करेगा।

33 इजरायली बंधकों के परिवारों को सूचित किया गया शुक्रवार को इजरायली सुरक्षा कैबिनेट ने हमास के साथ बंधकों की रिहाई-संघर्षविराम समझौते को मंजूरी दे दी थी और सरकार से इसे अपनाने की सिफारिश की थी। इजरायल सरकार की बंधकों और लापता व्यक्तियों की समन्वय इकाई ने शुक्रवार को उन 33 इजरायली बंधकों के परिवारों को सूचित किया, जिनके गाजा युद्धविराम समझौते के पहले चरण में मुक्त होने की उम्मीद है।

गाजा पर इजरायल के हमले में 116 लोग मारे गए गाजा युद्ध के चलते पिछले 15 महीनों से इजरायल के ईरान, लेबनान, सीरिया, इराक और यमन से संबंधों में तनाव बना हुआ था। गाजा युद्ध में अभी तक लगभग 47 हजार लोग मारे जा चुके हैं। समझौते पर अंतिम दौर की चर्चा के दौरान शुक्रवार को गाजा पर इजरायल के हमले में 116 लोग मारे गए हैं। मारे गए लोगों में 60 महिलाएं और बच्चे हैं। समझौते के तहत छह सप्ताह के प्रथम चरण में हमास 33 बंधकों को रिहा करेगा। इनमें सभी महिलाएं, बच्चे और 50 वर्ष से ज्यादा आयु के लोग होंगे। जबकि इजरायल फलस्तीनी महिलाओं, बच्चों और 19 वर्ष से कम के युवाओं को रिहा करेगा।

गाजा में युद्धविराम की राह की सारी बाधाएं हट गई हैं- हमास रिहा होने वाले फलस्तीनियों की संख्या रिहा होने वाले बंधकों की संख्या पर निर्भर करेगी। रिहा होने वाले फलस्तीनियों की संख्या 990 और 1,650 के बीच हो सकती है। यह समझौता तीन चरणों वाला है। हमास ने शुक्रवार को कहा, गाजा में युद्धविराम की राह की सारी बाधाएं हट गई हैं। हमास इस समझौते को पहले ही स्वीकार कर चुका है।

दक्षिणपंथी दल समझौते के खिलाफ नेतन्याहू सरकार को समर्थन दे रहे दक्षिणपंथी दलों ने समझौता होने पर सरकार से अलग होने की चेतावनी दी है। आंतरिक सुरक्षा मंत्री इत्मार बेन गिविर ने गाजा में युद्धविराम होने पर इस्तीफे की चेतावनी दी है। उनके सहयोगी वित्त मंत्री बेजालेल स्मोट्रिच ने छह सप्ताह का समझौते का पहला चरण खत्म होने पर युद्ध फिर से शुरू न होने पर सरकार से अलग होने की चेतावनी दी है। लेकिन मंत्रिमंडल के ज्यादातर सदस्य समझौते के पक्ष में हैं।

98 बंधकों में से आधे के ही जीवित होने की उम्मीद इजरायल ने कहा है कि 98 बंधक अभी भी हमास के कब्जे में हैं। इन बंधकों में इजरायली और अन्य देशों के नागरिक हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569